सान्ध्य हिन्दी दैनिक | जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 02 | अंक - 146 | जौनपुर, बुधवार, 21 फरवरी 2024 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य - 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

संदेशखाली का संदेश पश्चिम बंगाल की गली–गली में गूंज रहा

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण और युवा एवं खेल मामलों के मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने आज पश्चिम बंगाल के संदेशखाली मामले में प्रतिक्रिया दी। अनुराग ठाकुर ने कहा कि पश्चिम बंगाल के संदेशखाली में घटने वाले मामले पूरे देश और मानवता को शर्मसार करने वाली हैं और ममता राज में यहाँ मीडिया और महिलाओं की आवाज दबाई जा रही है। एक महिला मुख्यमंत्री के राज्य में महिलाओं के साथ बलात्कार और अत्याचार की वीभत्स कर देने वाली घटनाओं का सामने आना और उन पर कोई कारवाई ना होना बेहद चिंताजनक है। पश्चिम बंगाल में गुंडों और अपराधियों को पुलिस का संरक्षण है और पुलिस को मुख्यमंत्री और सरकार का संरक्षण है। पश्चिम बंगाल की महिलाओं को कब तक यह अत्याचार सहना होगा? उन्हें न्याय कब मिलेगा?संदेशखाली का संदेश आज पश्चिम बंगाल के गली–गली जा रहा है कि पश्चिम बंगाल में महिलाएं सुरक्षित नहीं हैं। केंद्रीय मंत्री ने आगे पश्चिम बंगाल में मीडिया को पुलिस व सरकार द्वारा दबाए जाने की खबरों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, ष्ममता दीदी की सरकार पश्चिम बंगाल में स्वतंत्र मीडिया की आवाज को दबाने की कोशिश कर रही है।

विश्वविद्यालय, उच्च शिक्षा संस्थान नए आपराधिक कानूनों का प्रचार करें – यूजीसी

नयी दिल्ली, एजेसी। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने देश भर के विश्वविद्यालयों और उच्च शिक्षण संस्थानों (एचईआई) को नए आपराधिक कानूनों का प्रचार करने और उनसे संबंधित "गलतफहमियों" को दूर करने का निर्देश दिया है। यूजीसी ने जिन "गलत फहमियों" का जिक्र किया है उनमें यह भी शामिल है कि नए कानून व्यक्तिगत स्वतंत्रता के लिये "खतरा" हैं और उनका उद्देश्य "पुलिस राज" स्थापित करना है। यह भी कि इसमें देशद्रोह के प्रावधानों को "देशद्रोह" के तहत बरकरार रखा गया है और ये कानून "पुलिस यातना" का कारक बन सकता है। विश्वविद्यालयों और एचईआई को अपने संदेश में यूजीसी ने इन गलतफहमियों और सच्चाइयों का उल्लेख करते हुए एक विस्तृत पत्र भी भेजा है। यूजीसी सचिव मनीष जोशी ने कहा, "उच्च शिक्षण संस्थानों से अनुरोध किया गया है कि वे भारतीय न्याय संहिता, 2023 को विस्तृत पत्र में निहित विषयों के आसपास प्रचारित करें और प्रचार सामग्री के माध्यम से प्रदर्शनी अभियान चलाएं, पर्चे वितरित करें और वकीलों, न्यायाधीशों, सेवारत और सेवानिवृत्त न्यायाधीशों व संस्थान के संबंधित संकाय सदस्यों के साथ संगोष्ठी और वार्ता आयोजित करें।

भाजपा ने कोविन्द समिति को सौंपे सुझाव में किया एक देश–एक चुनाव की पैरवी

नई दिल्ली, एजेंसी। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा के नेतृत्व में पार्टी के प्रतिनिधिमंडल ने मंगलवार को एक देश–एक चुनाव पर गठित पूर्व राष्ट्रपति राम नाथ कोविन्द की अध्यक्षता वाली समिति को अपने सुझाव सौंपे और लोकसभा, विधानसभा व स्थानीय निकायों में एक साथ चुनाव कराने की पैरवी की। पार्टी ने सभी चुनावों के लिए एक ही मतदाता सूची बनाने का भी आह्वान किया। पत्रकारों से बातचीत में नड्डा ने बताया कि उन्होंने प्रस्ताव किया है कि अगर तीनों चुनाव तत्काल एक

साथ कराना संभव न हो तो पहले लोकसभा और विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराए जा सकते हैं। लेकिन दीर्घकाल में स्थानीय निकायों के चुनाव भी लोकसभा और विधानसभाओं के चुनाव के साथ कराए जाने चाहिए अन्यथा बार–बार लागू होने वाली आदर्श आचार संहिता की वजह से इसका मकसद विफल हो जाएगा। समिति को एक साथ चुनाव कराने के लिए आम सहमति बनानी चाहिए, साथ ही विश्वास जताया कि इस पर सभी लोग एक साथ आगे बढ़ेंगे। कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस और द्रमुक समेत प्रमुख विपक्षी दलों ने इस विचार का यह कहते हुए कड़ा विरोध किया है कि यह देश के संघीय ढांचे पर हमला है। दिए हुए सुझावों के बारे में नड्डा ने बताया कि देश के विभिन्न हिस्सों में बार–बार लागू होने वाली आदर्श आचार संहिता की वजह से प्रशासन और सुशासन प्रभावित होता है।

कांग्रेस ने हमेशा देश की परंपराओं और गौरव का अपमान किया - अमित शाह

जयपुर, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री और भाजपा नेता अमित शाह ने कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा है। प्रबुद्ध जन सम्मेलन को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि कांग्रेस हमेशा देश की परंपराओं और गौरव का अपमान करती है। हम भाषाओं का सम्मान करते हैं तो... वो विरोध करते हैं, हम अपनी संस्कृति का सम्मान करते हैं और उसे आगे बढ़ाते हैं तो... वो विरोधा करते हैं। उन्होंने कहा कि हम परंपराओं का सम्मान कर सेंगोल को स्थापित करते हैं तो... वो विरोध करते हैं। क्योंकि जिनके मूल ही इटली में हो, वो देश की परंपराओं का सम्मान नहीं कर सकता है। अपना हमला जारी रखते हुए शाह ने कहा कि जो राहुल गांधी एक साल में 3 महीने विदेश में जाकर छुट्टी मनाते हैं, वो देश का क्या भला कर सकते हैं। उन्होंने ककहा कि एक तरफ एक साल में 3 महीने विदेश में छुट्टी

मनाने वाला नेतृत्व है और दूसरी तरफ 23 साल तक एक भी दिन छुट्टी न लेने वाला कर्मयोगी...नरेन्द्र मोदी हैं, जो सिर्फ देश की जनता की भलाई के बारे में सोचते हैं। उन्होंने कहा कि देश के लोकतंत्र का चार नासूरों ने ग्रसित किया– परिवारवाद, तुष्टिकरण, भ्रष्टाचार और जातिवाद। उन्होंने कहा कि मोदी जी ने 10 के अंदर परिवारवाद को समाप्त किया, तुष्टिकरण को समाप्त किया, जातिवाद को समाप्त किया, भ्रष्टाचार को समाप्त किया। भाजपा नेता ने कहा कि मोदी जी के नेतृत्व में भाजपा का एकमात्र उद्देश्य है– दुनिया में भारत पहले हो। भारत विश्वगुरु बने। वहीं इंडी अलायंस है– सोनिया गांधी का लक्ष्य है– राहुल गांधी को प्रधानमंत्री बनाना। लालू जी का लक्ष्य है– अपने बेटे को मुख्यमंत्री बनाना। उद्धव जी और स्टालिन जी का है– अपने बेटे को मुख्यमंत्री बनाना। ममता बनर्जी का लक्ष्य है अपने भतीजे को मुख्यमंत्री बनाना। मुलायम सिंह अपने बेटे को मुख्यमंत्री बनाकर गए।

रूस ने कभी भारत के हितों को नुकसान नहीं पहुंचाया - जयशंकर

नई दिल्ली, एजेंसी। यूक्रेन युद्ध के दौरान रूस से तेल खरीदने के भारत के फैसले का बचाव करते रहे विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा है कि मॉस्को ने कभी भी नई दिल्ली के हितों को नुकसान नहीं पहुंचाया और दोनों देशों के बीच हमेशा स्थिर और मित्रवत संबंध रहे हैं। म्यूनिख सिक्यूरिटी कान्फ्रेंस में हिस्सा लेने गए विदेश मंत्री ने एक जर्मन दैनिक को दिए साक्षात्कार में कहा, श्हर कोई अपने पिछले अनुभवों के आधार पर रिश्ते निभाता है। अगर मैं आजादी के बाद भारत के इतिहास को देखूं तो रूस ने कभी भी हमारे हितों को नुकसान नहीं पहुंचाया।श उन्होंने कहा, श्मैं यह अपेक्षा नहीं करता कि चीन पर यूरोप का दृघष्टिकोण वही हो जो हमारा है, यूरोप को भी समझना चाहिए कि रूस के प्रति मेरा दृघष्टिकोण वही नहीं हो सकता जो उनका है। यह स्वीकार करना चाहिए कि रिश्तों में स्वाभाविक मतभेद होते हैं। जयशंकर ने कहा कि चीन के साथ भारत के राजनीतिक और सैन्य रिश्ते कहीं ज्यादा मुश्किल हैं। यूक्रेन में लड़ाई प्रारंभ होने पर यूरोप ने तेल खरीद का बड़ा हिस्सा पश्चिम एशिया में

स्थानांतरित कर दिया था, जो तब तक भारत और अन्य देशों का बड़ा आपूर्तिकर्ता था। जयशंकर ने कहा, हमें क्या करना चाहिए था? पश्चिम एशिया के हमारे आपूर्तिकर्ताओं ने यूरोप को प्राथमिकता दी। विदेश मंत्री ने कहा कि भारत ने अपनी नीतियों से बाजार को स्थिर कर दिया और तेल की वैश्विक कीमतों में उछाल रोक दिया। अगर यूरोप क्षति को अधिकतम करना चाहता था तो उसे रूस के साथ सभी आर्थिक संबंध तोड़ लेने चाहिए थे, लेकिन उसने ऐसा नहीं किया। रूस के सबसे बड़े हथियार आपूर्तिकर्ता बने रहने के सवाल पर जयशंकर ने कहा कि कई पश्चिमी देशों ने लंबे समय तक पाकिस्तान को आपूर्ति को प्राथमिकता दी। लेकिन पिछले 10–15 वर्षों में चीजें बदली हैं। भारत की नई खरीद में विविधता आई है और अब अमेरिका, रूस, फ्रांस व इजरायल मुख्य आपूर्तिकर्ता हैं। रूस–यूक्रेन के बीच मध्यस्थता में भारत की भूमिका पर विदेश मंत्री ने कहा, कुछ खास मुद्दों पर हमने पहले ही मदद की है। जहां भी हम मदद कर सकते हैं, हमें खुशी होगी। हमसे जब भी संपर्क किया जाएगा, हम करेंगे। लेकिन हमें नहीं लगता कि इस दिशा में हमें खुद से कोई पहल करनी चाहिए। साथ ही कहा कि भारत इस संघर्ष को खत्म कराने के लिए प्रतिबद्ध है। जयशंकर ने फिर से संयुक्त राष्ट्र में सुधार का आह्वान किया।

यूपी में सभी लोकसभा सीट जीतेगी बीजेपी

लखनऊ, संवाददाता। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने लखनऊ रिंग रोड का निरीक्षण करते हुए उत्तर प्रदेश में आगामी लोकसभा चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की जीत पर भरोसा जताया। सिंह ने साहसपूर्वक कहा, यूपी से, 80 में से 80, जो राज्य की सभी 80 सीटें जीतने के उनके विश्वास को दर्शाता है। इसके साथ ही उन्होंने राहुल गांधी पर भी तंज कसा है। राजनाथ सिंह ने कहा कि वह (राहुल गांधी) जहां भी जाएंगे, वहां गठबंधन टूट जाएगा। वह (राहुल गांधी) जहां भी जाएंगे, वहां कांग्रेस के समर्थक कम हो जाएंगे। निरीक्षण के बाद पत्रकारों से बात करते हुए, राजनाथ सिंह ने चल रहे बुनियादी ढांचा परियोजना के बारे में जानकारी साझा की। उन्होंने घोषणा की कि 104 किलोमीटर लंबी और आठ लेन वाली लखनऊ रिंग रोड 28 फरवरी तक पूरी हो जाएगी। सिंह ने आगे बताया कि इस महत्वाकांक्षी परियोजना का उद्घाटन समारोह मार्च के पहले सप्ताह में निर्धारित है। रक्षा मंत्री ने कहा, 104 किलोमीटर लंबी लखनऊ रिंग रोड हमारा ड्रीम प्रोजेक्ट रहा है। यह 8 लेन की सड़क है।

उन्होंने अतिरिक्त विकास की योजनाओं का भी उल्लेख करते हुए कहा, वहां पहले से ही निर्मित 13 फ्लाई ओवरों के अलावा, हम कम से कम 10 और फ्लाईओवरों पर निर्माण कार्य शुरू करने की योजना बना रहे हैं जिन्हें पहले ही मंजूरी मिल चुकी है। राजनाथ सिंह ने इस बात पर जोर दिया कि विकास कार्यों को चुनावी विचारों

से अलग रखा जाना चाहिए। उन्होंने निर्वाचित प्रतिनिधियों द्वारा अपने निर्वाचन क्षेत्रों के मुद्दों को संबोधित करने और अपनी जिम्मेदारियों को लगातार पूरा करने के महत्व पर जोर दिया।

एमएसपी की गारंटी मिलने से जीडीपी वृद्धि का सूत्रधार बनेगा किसान – राहुल गांधी

नयी दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने मंगलवार को कहा कि न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की कानूनी गारंटी मिलने

से देश का किसान बजट पर बोझ नहीं, बल्कि सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि का सूत्रधार बनेगा। उन्होंने यह भी कहा कि यह झूठ बोला जा रहा है कि बजट के मद्देनजर एमएसपी की कानूनी गारंटी दे पाना संभव नहीं है। हाल ही में कांग्रेस ने वादा किया कि अगर 2024 में इंडिया गठबंधन केंद्र की सत्ता में आता है तो किसानों को एमएसपी की कानूनी गारंटी दी जाएगी। राहुल गांधी ने एक्स पर पोस्ट किया, जब से कांग्रेस ने एमएसपी की कानूनी गारंटी देने का संकल्प लिया है, तब से मोदी के प्रचारतंत्र और मित्र मीडिया ने एमएसपी पर झूठ की झड़ी लगा दी है। यह झूठ बोला जा रहा है कि एमएसपी की कानूनी गारंटी दे पाना भारत सरकार के बजट में संभव नहीं है। सच यह है कि क्रिसिल के अनुसार 2022–23 में किसान को एमएसपी देने में सरकार पर 21,000 करोड़ रुपये का अतिरिक्त भार आता, जो कुल बजट का मात्र 0.4 प्रतिशत है। उन्होंने सवाल किया, जिस देश में 14 लाख करोड़ रुपये के बैंक ऋण माफ कर दिए गए हों।

लोकतंत्र बचाने के लिए सुप्रीम कोर्ट का शुक्रिया

नई दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी (आप) के लिए एक बड़ी जीत में, सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को चंडीगढ़ मेयर चुनाव के नतीजों को पलट दिया। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के साथ, आप मेयर पद के उम्मीदवार कुलदीप कुमार, जो मामले में याचिकाकर्ता भी थे, को चुनाव का विजेता घोषित किया गया है। इसको लेकर अरविंद केजरीवाल ने सुप्रीम कोर्ट का आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि कुलदीप कुमार एक गरीब घर का लड़का है। प्छक्प् गठबंधन की ओर से चंडीगढ़ का मेयर बनने पर बहुत बहुत बधाई। ये केवल इंडिया जनतंत्र और माननीय सुप्रीम कोर्ट की वजह से संभव हुआ। हमें किसी भी हालत में अपने जनतंत्र और स्वायत्त संस्थाओं की निष्पक्षता को बचाकर रखना है। एक अन्य ट्वीट में उन्होंने कहा कि इस कठिन समय में लोकतंत्र को बचाने के लिए एससी को धन्यवाद! केजरीवाल ने कहा कि मुझे लगता है कि भारत

के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है। हम सुप्रीम कोर्ट को धन्यवाद देते हैं। देश में हालात ऐसे हैं कि तानाशाही चल रही है। लोकतंत्र को कुचला जा रहा है। सभी संस्थाओं को कुचला जा रहा है। उन्होंने कहा कि ऐसे समय में सुप्रीम कोर्ट का ये फैसला लोकतंत्र के लिए बहुत मायने रखता है...ये इंडिया अलायंस की बड़ी जीत है– पहली और बड़ी... हमने उनसे जीत छीन ली है। उन्होंने चुनाव, वोट चोरी किये थे। लेकिन हम अंत तक लड़े और अंततः जीत गए। उन्होंने कहा कि जो लोग कहते हैं कि भाजपा को हराया नहीं जा सकता – भाजपा को एकजुटता से, अच्छी योजना और रणनीति और कड़ी मेहनत से हराया जा सकता है। ये नतीजे यही साबित करते हैं। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान मे कहा कि आखध्रिकार सत्य की जीत हुई। चंडीगढ़ में मेयर चुनाव को लेकर सुप्रीम कोर्ट के फैसले का हम स्वागत करते हैं। पीठासीन अधिकारी द्वारा खारिज किए गए 8 वोटों को सही ठहराते हुए ब्श्रप् ने आपके कुलदीप कुमार को मेयर घोषित किया। बीजेपी द्वारा सरेआम की गई गुंडागर्दी का उन्हें मुंहतोड़ जवाब मिला है। लोकतंत्र की इस बड़ी जीत पर चंडीगढ़वासियों को बहुत–बहुत बधाई।

राजधानी लखनऊ को एआई सिटी का बनाएंगे प्रमुख केंद्र

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश आज डाटा सेंटर का हब बनने जा रहा है। यहां पर तीन डाटा सेंटर स्थापित हो चुके हैं जबकि आठ नए डाटा सेंटर बन रहे हैं। पहले जहां प्रदेश में इस प्रकार की संभावनाएं नहीं थीं, वहीं आज यूपी हर क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है। आप सभी ने इसे बखूबी देखा भी होगा। प्रदेश के इंस्टीट्यूशन ने स्केल को स्किल में बदलने में अच्छा काम किया है, लेकिन इस स्किल को स्पीड भी चाहिये। इसके लिए हमें डिजिटाइजेशन को अपनाना ही होगा। इसमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस बहुत बड़ी मदद कर सकता है। इसका यूज हम केवल एक फील्ड में ही नहीं बल्कि अलग–अलग फील्ड जैसे एग्रीकल्चर, मेडिकल और एजुकेशन में कर सकते हैं। यह उपयोग करने

वाले पर निर्भर करता है कि वह किस रूप में इसका उपयोग करता है। राजधानी लखनऊ को एआई सिटी का प्रमुख केंद्र बनाने पर सरकार काम कर रही है। इसमें आईआईएम लखनऊ के युवा भागीदार बन रहे हैं। वहीं गौतम बुद्धनगर विश्वविद्यालय ग्रेटर नोएडा में एआई का केंद्र बनाने की दिशा में काम प्रारंभ कर दिया गया है। इसके जरिये प्रदेश के लाखों नौजवानों को उनके घर और जनपद में नौकरी दे सकते हैं। ये बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को आईजीपी में आयोजित डेस्टिनेशन यूपी–इमर्जिंग हब फॉर एआई इन इंडिया कॉन्क्लेव में कही। इससे पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कॉन्क्लेव में आईलेट्स की मदद से डेस्टिनेशन यूपी अपॉर्च्युनिटीज एआई बुक की लॉन्चिंग की। इस दौरान सीएम योगी की मौजूदगी में तीन एमओयू का आदान प्रदान किया गया। इसमें माइक्रोसॉफ्ट कॉरपोरेशन के अभिषेक बोस, एचसीएल साफ्टवेयर के ध्रुव कोहली ने एआई सेंटर स्थापित करने और वाधवानी एआई के शेखर ने सरकार से एमओयू का आदान प्रदान किया। युवा साथियों ने कल नए भारत के नए उत्तर प्रदेश की तस्वीर देखी है। आज जब भारत हर क्षेत्र में बुलंदियों की नई ऊंचाइयों को छू रहा है तो उन स्थितियों में उत्तर प्रदेश खुद को पीछे नहीं रख सकता है। ऐसे में 25 करोड़ आबादी की आशा और आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए हमें भी सर्वांगीण विकास के दौर में आगे बढ़ना पड़ेगा। इसके लिए पूरे देश में प्रदेश को अग्रणी राज्य बनाने और देश के विकास के ग्रोथ इंजन में अपनी भूमिका का निर्वहन करने के लिए लगातार प्रयास किये जा रहे हैं। इसकी एक छोटी सी झलक आप सभी को चतुर्थ ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी में देखने को मिली होगी। प्रदेश में पहली ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी के जरिये 61 हजार करोड़ रुपये के निवेश को धरातल पर उतारा गया था। वहीं जीबीसी 4.0 में दस लाख 24 हजार करोड़ की परियोजनाओं को धरातल पर उतारने की दिशा में कदम बढ़ाए गए हैं। यह 35 लाख से अधिक युवाओं को सीधे–सीधे नौकरी के साथ जोड़ने का एक अभियान है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस फील्ड में अपार संभावनाएं हैं।

वर्तमान समय में यह एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है। इसको सरकार ने बखूबी समझा है और इसे ध्यान में रखते हुए वर्ष 2022 में एक पॉलिसी भी प्रदेश में लॉन्च की गई थी। उन्होंने कहा कि टेक्नोलॉजी का प्रयोग करके कितना बड़ा कार्य हो सकता है, इसे प्रदेशवासियों ने पिछले 7 वर्षों में देखा है। इसके जरिये सुशासन के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। प्रदेश में 2016–17 तक लोग भूख से मर रहे थे। यहां पर भुखमरी से मौत होती थी जबकि आज पूरे देश में उत्तर प्रदेश में पब्लिक डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम का सबसे सुंदर मॉडल खड़ा हो चुका है। ई पॉस मशीन के जरिये एक जगह एक स्क्रीन से देश की सभी 80 हजार फेयर प्राइस शॉप की मॉनिटरिंग से हर लाभार्थी को उसके अनुसार खाद्यान्न मिलने की जानकारी प्राप्त की जा रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि टेक्नोलॉजी के जरिये डीबीटी से हर व्यक्ति को योजना का लाभ दिया जा रहा है। प्रदेश के युवाओं को डिजिटल सक्षम बनाने के लिए स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तिकरण योजना के तहत दो करोड़ युवाओं को टैबलेट और स्मार्टफोन वितरित करने की कार्यवाही की जा रही है।

संपादकीय

एमएसपी की गारंटी देने वाला कानून

भारत एक लोकतांत्रिक देश है और संविधान के तहत देश के हर नागरिक को शांतिपूर्ण आंदोलन और प्रदर्शन करने का मौलिक अधिकार है। लेकिन, न्यूनतम समर्थन मूल्य यानी एमएसपी कानून की गारंटी के लिए आंदोलनरत किसान शांतिपूर्ण तरीके से अपनी मांगें मंगवाने के पक्षधर नहीं दिखते। सरकार बातचीत के माध्यम से समस्या सुलझाना चाहती है। लेकिन किसान नेताओं के तेवरों और मांगों की लंबी सूची के दृष्टिगत इस बात की संभावना न्यून है कि बातचीत से ये मसला निपटेगा। वास्तव में किसान नेता भी जानते हैं कि एमएसपी कानून की गारंटी देना इस सरकार तो क्या किसी भी सरकार के लिए आसान नहीं है। किसानों के असली इरादों को उनकी तैयारियों को देखकर समझा जा सकता है। जिस तरह ट्रैक्टर ट्रालियों में महीनों का राशन और दूसरा जरूरी सामान लेकर वो घरों से निकले हैं, उससे साफ है कि उनकी मंशा समझौते की नहीं, टकराव की है। वो चाहते हैं कि गलती से शासन प्रशासन के हाथों कोई ऐसा काम हो जाए, जिससे वो और उनका पूरा इको सिस्टम सरकार को किसान विरोधी साबित कर सके। ये सारी कवायद चुनाव से पहले माहौल खराब करने और सरकार की छवि को ठेस पहुंचाने की दिखाई देती है। किसान समस्या का हल चाहते तो बातचीत में विश्वास करते। वो तो दिल्ली की तरफ हजारों की भीड़ लेकर ट्रैक्टर ट्रालियों, गाड़ियों और अन्य साधनों से दिल्ली की ओर ऐसे बढ़े मानो उन्हें किसी विदेशी सरकार से निर्णायक संघर्ष करना है। किसान नेता जब मीडिया या किसी सार्वजनिक मंच से बोलते हैं तो ऐसा व्यवहार करते हैं कि मानो केंद्र सरकार उनकी सबसे बड़ी दुश्मन है। मीडिया से बातचीत के समय किसान नेताओं और उनके समर्थकों की भाषा, बॉडी लैग्वेंज और भाषणों की टोन ऐसी होती हैं मानो किसी दुश्मन देश की सरकार को वो चेतावनी दे रहे हों। करोड़ों नागरिकों द्वारा निर्वाचित सरकार, जो बातचीत के लिए हमेशा तैयार है, उसके प्रति किसान नेताओं का अनादर का भाव कदम कदम पर दिखाई देता है। किसान नेता अपने आंदोलन को अराजनीतिक बताते हैं। लेकिन राजनीतिक संगठनों के साथ उनके रिश्ते जगजाहिर हैं। इसीलिए कहा जा रहा है कि किसान आंदोलन तो बहाना है– असली काम तो मोदी सरकार को हटाना है। लोगों में चर्चा इस बात को लेकर है कि आखिर बिना राजनीतिक दलों के समर्थन के इतना बड़ा आंदोलन इतनी जल्दी कैसे खड़ा हो सकता है। 2020 में तीन कृषि कानूनों को लेकर पंजाब के 34 किसान संगठन विरोध कर रहे थे, जबकि यह आंदोलन मात्र कुछ किसान संगठनों द्वारा ही किया जा रहा है। तो क्या यह सही है कि इस बार का आंदोलन किसी विशेष उद्देश्य से हो रहा है? भारतीय किसान यूनियन सिद्धूपुर के प्रधान जगजीत सिंह डल्लेवाल इस बार किसान आंदोलन के सबसे प्रमुख चेहरे हैं। जिस तरह पिछली बार गुरुनाम सिंह चढ़ूनी और राकेश टिकैत थे इस बार डल्लेवाल हैं। उनके मुंह से किसान आंदोलन की सच्चाई निकल गई है। डल्लेवाल का एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें वह कह रहे हैं कि राम मंदिर बनने के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का ग्राफ बहुत बढ़ गया था, उसे नीचे लाना है। आंदोलन में शामिल पंजाब के किसान नेता तेजवीर सिंह का एक वीडियो बहुत तेजी से वायरल हो रहा है जिसमें वो किसान आंदोलन के जरिए देश की सरकार बदलने की बात कर रहे हैं। इतना ही नहीं वो किसान आंदोलन को विपक्ष की लड़ाई लड़ने वाला भी बता रहे हैं। मतलब साफ है कि कहीं न कहीं किसान नेताओं को एक बात समझाई गई है कि ये लड़ाई किसानों के अधिकारों और एमएसपी की गारंटी के लिए नहीं है बल्कि इन मुद्दों के नाम पर सरकार को ही बदलना है। यही नहीं किसान आंदोलन को कवर कर रहे बहुत से यूट्यूबरों, मीडिया हाउसेस के वीडियो देखने को मिल रहे हैं जिन्हें देखकर आप यही कह सकते हैं कि किसान आंदोलन भ्रमित है या गलत लोगों के हाथ में है। बहुत से किसान इंडिपेंडेंट पंजाब या खालिस्तान की बात करते हुए मिलते हैं। कुछ तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए अपशब्दों का इस्तेमाल करते हुए मिल जाते हैं। इन किसानों के मन में एमएसपी पर गारंटी की डिमांड कम, केंद्र सरकार को बदलने का जज्बा काफी है। इनमें से कुछ में नरेंद्र मोदी के लिए इतनी नफरत भरी हुई है जैसे किसी राजनीतिक दल के कार्यकर्ता अपने विरोधी दलों के नेताओं के बारे में रखता है। बल्कि राजनीतिक दलों के कार्यकर्ताओं में भी अपने विरोधी दल के नेता के लिए मरने–मारने की बात नहीं होती। यहां तो किसान मरने–मारने की बात भी कर रहे हैं। पंजाब में पीएम मोदी का काफिला रोकने की जिम्मेदारी लेने वाले संगठन भारतीय किसान यूनियन क्रांतिकारी संगठन भी इस आंदोलन में शामिल है। आंदोलन शुरू होने से 2 दिन पहले जिस तरह कांग्रेस नेता राहुल गांधी का ट्वीट किसान आंदोलन को समर्थन करते आ गया था उससे भी इस संदेह को बल मिला कि यह आंदोलन किसानों के अधिकार के लिए नहीं बल्कि मोदी सरकार को उखाड़ फेंकने के लिए ज्यादा है। कांग्रेस नेता रमनदीप सिंह मान पर आरोप है कि वो कांग्रेस और किसान नेताओं के बीच कड़ी का काम कर रहे थे। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मुखपत्र पांचजन्य के हैंडल ने उनके कई ट्वीट्स की कड़ी का थ्रेड बनाकर अपने हैंडल पर डाला हुआ है।

अगले 100 दिन रेवंत सरकार के लिए परीक्षा की घड़ी

आदित्य

तेलंगाना विधानसभा के हाल ही में समाप्त हुए बजट सत्र से पता चला है तेलंगाना विधानसभा के हाल ही में समाप्त हुए बजट सत्र से पता चला है कि कांग्रेस पार्टी शायद लोकसभा चुनावों के लिए कार्यकर्ताओं और कार्यकर्ताओं को तैयार रखने के लिए आक्रामक मूड में बनी हुई है। हालांकि विपक्षी बीआरएस ने सिंचाई परियोजनाओं में भ्रष्टाचार और अनियमितताओं जैसे मुद्दों पर सत्तारूढ़ दल द्वारा लगाए गए आरोपों का जवाब देने की कोशिश की, लेकिन बचाव कमजोर था और स्वर और भाव वास्तविक विश्लेषण की तुलना में राजनीतिक बयानबाजी अधिक थी जो सरकार पर बाजी पलट सकती थी। बीआरएस के लिए एक और कमी विपक्ष के नेता और पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव की अनुपस्थिति थी, जो एक दिन के लिए भी सत्र में शामिल नहीं हुए। इससे पता चलता है कि 10 साल से सत्ता में रहने वाली बीआरएस अभी भी अपनी हार को पचा नहीं पा रही है और रचनात्मक विपक्ष बनने के लिए तैयार नहीं है। वे विपक्ष में बैठकर काफी असहज महसूस कर रहे हैं. जब वे सत्ता में थे, तो उन्होंने कभी भी विपक्ष की मांगों को स्वीकार नहीं किया, जिन्हें बोलने के लिए मुश्किल से ही समय दिया जाता था, उनका कहना था कि विधानसभा में पार्टी की ताकत के आधार पर समय तय किया जाता था। लेकिन अब टी हरीश राव जैसे बीआरएस नेता सिंचाई पर श्वेत पत्र में सत्तारूढ़ दल के आरोपों का मुकाबला करने के लिए दो घंटे का निर्बाध समय मांग रहे हैं। बीआरएस कुछ आत्मनिरीक्षण करे। क्या उन्होंने कभी विपक्ष को निर्बाध समय दिया? क्या एक के बाद एक मंत्री ने हस्तक्षेप नहीं किया? ष्हम जो करते हैं वह सही है, दूसरे जो करते हैं वह गलत है, अच्छी राजनीति नहीं है। उन्हें समझना चाहिए कि लोकसभा चुनाव से पहले बीआरएस के सामने अब एक बड़ी चुनौती है। इसे सबसे पहले अपने झुंड की रक्षा करने की जरूरत है। यदि वह हर संभव प्रयास कर कम से कम 7 लोकसभा सीटें जीत सकती है, तो इसका मतलब होगा कि वे पुनरुद्धार के रास्ते पर वापस आ गए हैं। लेकिन अभी तक ऐसा कोई संकेत नहीं है. दूसरी ओर कांग्रेस ने ऑपरेशन पोचिंग शुरू कर दिया है. लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि कांग्रेस के लिए राह आसान है. ए रेवंत रेड्डी के नेतृत्व वाली सरकार ने यह धारणा बना दी है कि कालेश्वरम परियोजना ने राज्य को भारी समस्याओं में धकेल दिया है। उसने यह साबित करने की हरसंभव कोशिश की है कि पिंक पार्टी ने अनियमितताएं की हैं. लेकिन अब सवाल ये है कि वो किस तरह की जांच करने वाले हैं. सरकार मौजूदा जज से जांच चाहती थी लेकिन हाई कोर्ट ने इससे इनकार कर

दिया और कहा कि वे एक सेवानिवृत्त जज से जांच करा सकते हैं। सरकार इस मुद्दे को अधर में लटका कर नहीं रख सकती वरना लोग सोचेंगे कि वे बिना कार्रवाई के केवल शोर मचाते हैं। उसे या तो उच्च न्यायालय को एक मौजूदा न्यायाधीश को नियुक्त करने के लिए राजी करना चाहिए या सेवानिवृत्त न्यायाधीश द्वारा जांच के लिए सहमत होना चाहिए और काम शुरू करना चाहिए। दूसरा विकल्प है कि सीबीआई जांच का आदेश दिया जाए. अगर कांग्रेस किसी फैसले को एक सीमा से ज्यादा यानी लोकसभा चुनाव खत्म होने तक टालती है तो कांग्रेस सरकार पर अस्थिरता के बादल मंडराने लगेंगे। पहले से ही अटकलें हैं कि बीआरएस बीजेपी के करीब जाना चाहती है. भाजपा अपने तीसरे कार्यकाल के लिए तैयार है, एक बार चुनाव खत्म हो जाने के बाद, वह निश्चित रूप से तेलंगाना में संकटग्रस्त पानी में मछली पकड़ने की कोशिश करेगी। हालांकि बीजेपी इन अटकलों से इनकार करती है, लेकिन भगवा पार्टी के लिए राज्य में अस्थिरता पैदा करना न तो मुश्किल है और न ही नया. विधानसभा में बीजेपी, बीआरएस और एआईएमआईएम के कुल मिलाकर 54 विधायक हैं। बीजेपी राजनीति खेलेगी और अगर उसने छह विधायकों को कांग्रेस से बाहर निकाला तो सरकार मुश्किल में पड़ जाएगी. खिचिड़ी सरकार कब तक टिकेगी यह अलग कहानी है। क्या बीजेपी चाहती है कि खिचड़ी बनी रहे? निश्चित रूप से नहीं। इसलिए, राज्य में नई कांग्रेस सरकार के लिए अगले 100 दिन महत्वपूर्ण होने वाले हैं।

मोदी है तो मुमकिन है, वाक्यांश सिर्फ एक नारा

विनोद

नौकरशाहों को उनके पैरों पर खड़ा कर दिया है। मोदी है तो मुमकिन है! जो लोग सोचते थे कि यह वाक्यांश सिर्फ एक नारा था, वे अब यह जानकर आश्चर्यचकित रह गए कि यह वास्तव में एक तथ्य है। चाहे वह भव्य मंदिरों का निर्माण हो, न केवल राम की जन्मस्थली अयोध्या में, बल्कि अबू धाबी में भी, जहां कोई भी ऐसे भव्य मंदिर के बारे में कभी सपने में भी नहीं सोच सकता था, केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी का साड़ी में दौरा सिन्दूर और मंगलसूत्र के साथ भारतीय प्रतिनिधिमंडल के साथ मक्का मदीना जाना हर किसी को आश्चर्यचकित कर देता है। ऐतिहासिक ळ20 शिखर सम्मेलन की मेजबानी, कतर में हिरासत में लिए गए नौसेना के दिग्गजों की रिहाई, धारा 370 को हटाने पर बीजेपी के चुनावी घोषणापत्र में किए गए वादों को पूरा करना, अयोध्या में भव्य मंदिर का निर्माण, ये घोषणाएं की गईं केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा नागरिकता (संशोधन) अधिनियम (सीएए) के कार्यान्वयन पर, और समान नागरिक संहिता (यूसीसी) पर विधेयक, जिसे उत्तराखंड में भी लागू किया गया है, जिसके बाद मध्य प्रदेश भी लागू किया गया है, कुछ ऐतिहासिक हैं जिसे मोदी सरकार ने हासिल किया है. प्रधानमंत्री मोदी ने बिना किसी संदेह के साबित कर दिया है कि वह एक उपलब्धि हासिल करने वाले व्यक्ति हैं, जो लाल किले की प्राचीर से अपने सपने के बारे में घोषणा करते हैं और कुछ ही दिनों और महीनों के भीतर वह इसे साकार करने में सफल हो जाते हैं। वह अपने वादों को पूरा करने के लिए अतिरिक्त प्रयास करता है। एक कर्मयोगी, जो किसी पर भरोसा नहीं करता, यहां तक कि अपने कैबिनेट मंत्रियों पर भी नहीं, उसने निर्णय लेने की सभी शक्तियों को अपने और पीएमओ में केंद्रीकृत कर लिया है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि मंत्रालयों और पार्टी द्वारा कोई भी लेन–देन न किया जाए। नौकरशाहों से सीधे बात करके, कभी–कभी मंत्रियों को भी दरकिनार करके, उन्होंने नौकरशाहों को उनके पैरों पर खड़ा कर दिया है। पूरी तरह से हिंदुत्व कार्ड खेलने और सभी मोर्चों पर निपुणता के साथ प्रदर्शन करने के बाद, उन्होंने लगभग सभी क्षेत्रों में अपने लाभ के लिए परिणाम दिए हैं। अपने प्रदर्शन का संतोषजनक रिपोर्ट कार्ड लेकर, धार्मिक भावनाओं से ओत–प्रोत, प्रधानमंत्री मोदी 2024 के लोकसभा चुनाव में न केवल हैट्रिक बनाने, बल्कि सारे रिकॉर्ड तोड़ने के प्रति आश्वस्त हैं। नेहरू के रिकॉर्ड को तोड़ने का, बल्कि 1984 में 400 से अधिक सीटें हासिल करके राजीव गांधी की जीत के अंतर को पार करने का भी. अब किबार 400 पार. अपने और अपनी पार्टी के लिए एक लक्ष्य निर्धारित करने के बाद, मोदी ने संख्या हासिल करने के लिए सभी केंद्रीय एजेंसियों को अपने अधीन कर लिया है। चाहे वह सीबीआई हो, ईडी हो या खरीद–फरोख्त हो, उनकी सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए ओवरटाइम काम कर रही है कि विरोधियों को चुनाव की घोषणा से पहले ही वास्तविकता का एहसास हो जाए। सीटों के बंटवारे के मुद्दे पर इंडिया गुट बंटा हुआ है क्योंकि गठबंधन की प्रत्येक पार्टी अपनी–अपनी जागीर बचाने में लगी हुई है। ममता बनर्जी ने अपनी राहें अलग कर ली हैं, क्योंकि वह कांग्रेस को 2 से अधिक सीटें देने के लिए अनिच्छुक थीं, और नीतीश कुमार ने, हमेशा की तरह, पाला बदल लिया, यह अच्छी तरह से जानते हुए कि विपक्ष की हार तय है, प्रधानमंत्री मोदी के लक्ष्य हासिल करने के दृढ़ संकल्प को देखते हुए लक्ष्य। कांग्रेस की तरह, जो एक हारी हुई लड़ाई लड़ रही है, आम आदमी पार्टी अपने बड़े नेताओं के बिना चुनाव लड़ रही है। क्या पता चुनाव होने तक दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल भी सलाखों के पीछे हों! इंडिया गुट को कमजोर करने के लिए एक के बाद एक सम्मन जारी किए जाते हैं और विपक्ष के नेताओं को गिरफ्तार किया जाता है। जमीन घोटाला मामले में झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को जेल में डाल दिया गया. उनके लिए शुक्र है कि कांग्रेस समर्थित झामुमो सरकार बच गई, क्योंकि हेमंत सोरेन अपने उत्तराधिकारी चंपई सोरेन के साथ तैयार थे। इधर, विपक्ष के मुताबिक, वह नीतीश कुमार की तरह दबाव के आगे नहीं झुके। कांग्रेस अंततः अपने पूर्ववर्ती यूपीए सहयोगियों के साथ ही गठबंधन करेगी, क्योंकि जो लोग इंडिया गुट में शामिल हुए थे, उनमें से लगभग सभी ने पार्टी को छोड़ दिया है। जहां नीतीश कुमार और जयंत चौधरी की आरएलडी वापस एनडीए में चले गए हैं, वहीं ममता अपने दम पर चुनाव लड़ रही हैं। कोई नहीं जानता कि जब राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा दूसरे राज्यों में जाएगी तो स्थिति क्या मोड़ लेगी। प्रधानमंत्री मोदी और उनकी पार्टी के लिए प्यार और जंग में सब कुछ जायज है. जबकि भाजपा उत्तर और पश्चिम भारत में मजबूत है, उत्तर–पूर्व में काफी अच्छी स्थिति के साथ, यह दक्षिण है जो भगवा पार्टी के लिए समस्याग्रस्त साबित हो रहा है। दक्षिण में सफलता हासिल करने के लिए मोदी विशेष प्रयास कर रहे हैं। वह लोगों के बीच पैठ बनाने के लिए दक्षिण में बड़े पैमाने पर पहुंच रहे हैं, या तो एक कन्नडिगा द्वारा बनाई गई राम की मूर्ति स्थापित करके, या नए संसद भवन के लिए तमिलनाडु से सेनगोल लाकर, या बुनियादी ढांचा परियोजनाएं शुरू करके। केरल में इसकी कीमत करोड़ों रुपये है।

रूस यूक्रेन के साथ अपने युद्ध में बढ़त हासिल

ललित

इस महत्वपूर्ण समय में यूक्रेन का समर्थन करने में अमेरिकी असमर्थता की आलोचना की है यह कहना कि यूरोप एक विभक्ति बिंदु पर खड़ा है, शायद एक अतिशयोक्ति होगी। रूस यूक्रेन के साथ अपने युद्ध में बढ़त हासिल कर रहा है और डोनाल्ड ट्रम्प की वापसी का भूत संयुक्त राज्य अमेरिका और उसके सहयोगियों को परेशान कर रहा है। यूरोप अब तक मजबूती से खड़ा रहने में कामयाब रहा है लेकिन उसकी एकता डगमगा रही है। दशकों तक सुरक्षा पर ध्यान केंद्रित करने में विफल रहने के बाद, यूरोपीय नेता, अपनी बेचैनी के साथ, यह महसूस कर रहे हैं कि तथाकथित शांति लाभांश न केवल एक भ्रम था, बल्कि इसका अपने पर खड़े रहने की एक दुर्जेय महाद्वीप की इच्छा पर भी दुर्बल प्रभाव पड़ा। पैर. महीनों में रूसी सेना के लिए सबसे बड़ी सफलताओं में से एक में, उन्होंने प्रमुख पूर्वी शहर अवदीवका पर पूर्ण नियंत्रण ले लिया है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने इसे ष्महत्वपूर्ण जीतष बताया है, जबकि यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने इस हार के लिए पश्चिमी हथियारों की आपूर्ति में गिरावट को जिम्मेदार ठहराया है। अमेरिका में राजनीतिक विभाजन यूक्रेन को महत्वपूर्ण सैन्य सहायता प्रदान करना जारी रखने के जो बिडेन प्रशासन के प्रयासों को विफल कर रहा है। महीनों की राजनीतिक खींचतान के बाद, अमेरिकी सीनेट यूक्रेन के लिए 60 अरब डॉलर की मंजूरी देने में कामयाब रही, लेकिन प्रतिनिधि सभा में स्थिति अनिश्चित बनी हुई है। नाटो सचिव जनरल जेन्स स्टोलटेनबर्ग ने इस महत्वपूर्ण समय में यूक्रेन का समर्थन करने में अमेरिकी असमर्थता की आलोचना की है। हालाँकि यूक्रेन के समर्थन में बहुत सारी बयानबाजी हुई है, लेकिन जमीनी स्तर पर सीमित कार्रवाई हुई है। वास्तविक सैन्य क्षमता की कमी के कारण यूरोप की पसंद गंभीर रूप से बाधित है। यूरोपीय लोगों द्वारा यूरोप की सुरक्षा का प्रबंधन करने की सभी चर्चाओं के बावजूद, दिखाने के लिए बहुत कम है, यहां तक कि नाटो सदस्यों द्वारा अपने सकल घरेलू उत्पाद का 2: रक्षा पर खर्च करने का सीमित लक्ष्य भी गठबंधन के 31 सदस्यों में से केवल 11 द्वारा पूरा किया जा रहा है। यह आश्चर्य की बात नहीं है कि यूरोपीय मार्च तक यूक्रेन को दस लाख 155–मिलीमीटर तोपखाने के गोले पहुंचाने की अपनी प्रतिबद्धता को पूरा करने के लक्ष्य पर नहीं हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव के लिए रिपब्लिकन उम्मीदवार के रूप में ट्रम्प की दोबारा एंट्री ने एक बार फिर यूरोप को नींद से झकझोर कर रख दिया है। एक चुनावी रैली में ट्रम्प की टिप्पणी कि वह रूस को एक ऐसे देश के लिए जो कुछ भी करना चाहते हैं करने के लिए प्रोत्साहित करेंगे, जो अपने रक्षा बजट पर खर्च करने के अपने वादे को पूरा नहीं करता है, इससे यूरोप में काफी नाराजगी हुई है क्योंकि यह उसी को चुनौती देता है। ट्रांस–अटलांटिक गठबंधन की नींव। ट्रम्प की अप्रत्याशितता यूरोपीय लोगों को इस तथ्य के प्रति सचेत कर रही है कि वे एकजुट होकर कार्य करने में सक्षम नहीं हैं। भले ही सभी नाटो सदस्य अपने रक्षा व्यय लक्ष्य को पूरा कर लें, फिर भी यूरोप से अमेरिकी समर्थन के बिना अपने दम पर अपनी रक्षा करने की उम्मीद करने में एक दशक लगेगा। पूर्वी यूरोप और बाल्टिक में, रक्षा क्षमताओं को बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है क्योंकि रूसी खतरा बहुत बड़ा है। लेकिन यूरोपीय हृदयभूमि में, पारंपरिक रूप से प्रभावी रक्षा–औद्योगिक आधार वाले देशों को महाद्वीप की बदलती आवश्यकताओं के अनुसार अपनी क्षमताओं का गंभीरता से विस्तार करना बाकी है। हो सकता है कि ट्रम्प ने रक्षा और सुरक्षा के मामले में यूरोप द्वारा ढिलाई न बरतने को लेकर चिंताएँ बढ़ा दी हों, लेकिन यह जॉर्ज डब्ल्यू बुश के दिनों से यूरोप के साथ वाशिंगटन की बढ़ती असंगति का हिस्सा रहा है। यदि रूस यूक्रेन के साथ अग्रिम मोर्चे पर फिर से आक्रामक है, तो इसका कारण यह है कि उसने नाटो के भीतर असंगति के साथ–साथ यूरोप की कमजोरियों को भी पहचान लिया है। यूक्रेन पर ट्रम्प के विचारों को रिपब्लिकन के बीच समर्थन प्राप्त है। भले ही ट्रम्प राष्ट्रपति पद नहीं जीतते, लेकिन यह संभावना नहीं है कि अमेरिकी राजनीतिक रैंकों में यूक्रेन का समर्थन करने के लिए उत्साह अधिक होगा। इसलिए अब बोझ यूरोप पर है. इसे अपने रक्षा उद्योग में सुधार करना होगा और इसका तेजी से पुनर्निर्माण करना होगा। यदि वह यूक्रेन की चुनौती को प्रोत्साहन के रूप में उपयोग करके इसे पूरा कर सकता है, तो वह अपनी शर्तों पर महाद्वीप में एक नई सुरक्षा वास्तुकला का निर्माण कर सकता है।

इतिहास से परेशान, महत्वाकांक्षा से विभाजित

आसिफ

एक पड़ोसी देश जो लंबे समय से तनाव में है एक पड़ोसी देश जो लंबे समय से तनाव में है – खासकर जिसके साथ हमारा परेशानी भरा इतिहास रहा है – वह मन से नहीं मिटेगा, चाहे उसकी स्थिति कुछ भी हो। कई विश्लेषक यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि हाल के आम चुनावों के बाद पाकिस्तान में क्या बदलाव आया है, जिसमें इमरान खान की स्पष्ट रूप से लोकप्रिय पार्टी, पाकिस्तान तहरीक ए इंसाफ (पीटीआई) को एक स्मार्ट कानूनी कदम से बाहर कर दिया गया था। इसके बावजूद, पार्टी को अपने समर्थित स्वतंत्र उम्मीदवारों के माध्यम से लोगों से ठोस समर्थन मिला। हालाँकि अभी तक यह ठोस रूप में स्थापित नहीं हुआ है, हम इस्लामाबाद में शाहबाज शरीफ के नेतृत्व में और बिलावल भुट्टो की पीपीपी द्वारा मुद्दा–आधारित समर्थन के साथ एक पीएमएल (एन) सरकार देख सकते हैं। पीपीपी के पास सरकार में कुछ महत्वपूर्ण विभाग लेने का अवसर था, लेकिन उसने इनकार कर दिया। आम धारणा है कि इस चुनाव में असली विजेता पाकिस्तानी सेना है. फिर भी, अन्य लोगों की राय है कि पीटीआई की भागीदारी पर नियंत्रण लगाकर और युवाओं की लोकप्रिय भावना का पालन न करके, सेना ने भविष्य के लिए एक बड़ी समस्या का आह्वान किया है। इन सबकी जांच की जरूरत है. इस तथ्य को दोहराने की जरूरत है कि 240 मिलियन लोगों के साथ पाकिस्तान जनसंख्या के मामले में दुनिया का पांचवां सबसे बड़ा देश है, लेकिन 340 अरब डॉलर की जीडीपी और 8.27 अरब डॉलर की मौजूदा विदेशी मुद्रा होल्डिंग्स के साथ इसकी अर्थव्यवस्था कमजोर है। इसका राष्ट्रीय ऋण 223 बिलियन डॉलर है। इसके सामाजिक संकेतक निराशाजनक हैं और जलवायु परिवर्तन के प्रभाव साल–दर–साल गहराई से महसूस किए जा रहे हैं, बिना किसी संस्थागत प्रतिरोध के। ।कअमतजपेमउमदज हालांकि पैसे की कमी हो सकती है, लेकिन अधिक गंभीर कमी मानवीय प्रतिबद्धता और आम लोगों के प्रति सहानुभूति की भावना को लेकर है – यह सब उस समाज में है जहां अमीरों और गरीबों के बीच भारी असमानता है। अपने सामाजिक और आर्थिक मापदंडों में किसी भी ऊपर की ओर बढ़ने के लिए, पाकिस्तान को अपनी सीमाओं पर स्थिरता की अवधि और आंतरिक संघर्षों के समाधान की सख्त जरूरत है ताकि विकास पर सीमित धन के उच्च हिस्से की तैनाती की अनुमति मिल सके। दुर्भाग्य से, राजनीतिक स्थिरता लंबे समय से देश से दूर रही है – इसकी राजनीति की गुणवत्ता खराब है और स्वार्थी एजेंडे वाले राजनीतिक हितधारकों द्वारा सड़कों को अक्सर पंगु बना दिया जाता है। एक वैचारिक रूप से उन्मुख आतंकवादी आंदोलन अधिकांश ध्यान को छीनने की धमकी देता है और वस्तुतः वैश्विक आतंक के एक और चक्र के लिए बीज तत्व हो सकता है। विकास और सामाजिक कल्याण पर राष्ट्रीय फोकस की कमी ने पाकिस्तान को अव्यवस्थित रखा है। भारत में भी विभाजनकारी राजनीति है, लेकिन प्रशासनिक व्यवस्था पर एक नजर डालने से लोगों के उत्थान के प्रति प्रतिबद्धता प्रदर्शित होती हैय राजनीति जोर–शोर से खेली जाती है लेकिन विकास एक चुनावी एजेंडा है और भारतीय सेना पाकिस्तान के विपरीत पूरी तरह से अराजनीतिक है। पाकिस्तान के चार मुख्य प्रांतों में चार अलग–अलग पार्टियों द्वारा शासन होने के कारण, कल्याण के लिए एक आम सूत्र ढूंढना मुश्किल हो रहा है, खासकर क्योंकि राजनीति में सेना के वर्चस्व का मुद्दा भी है। सेना गैर–उत्पादक और आत्म–प्रशंसक शासन में इतनी गहराई से डूबी हुई है कि वह शायद ही राजनीतिक दलों के बीच मतभेदों का मध्यस्थ बन सकती है और राष्ट्र के उत्थान के लिए भ्रष्टाचार मुक्त प्रयास के लिए माहौल तैयार कर सकती है। यह रणनीतिक राष्ट्रीय सुरक्षा के तीन प्राथमिक मुद्दों– कश्मीर, अफगानिस्तान और आंतरिक सुरक्षा के प्रति अपनी जिम्मेदारी मानता है। वह हर चीज का एजेंडा तय करता है। इस पकड़ से बाहर निकलने के लिए, संबंधित राजनीतिक दलों को सामने आना होगा और या तो मौजूदा खतरों को कम करने के लिए सेना के साथ काम करना होगा, या उसी तरह जारी रखना होगा, जिससे केवल खतरे ही बढ़ेंगे। दुर्भाग्य से पाकिस्तान के लोगों के लिए, ऐसा लगता है कि दोनों पक्षों ने एक–दूसरे को ऐसे कोने में धकेल दिया है, जहां से कोई भी सहयोग बहुत असंभव लगता है। सबसे पहले, सेना बाहरी और आंतरिक खतरों

को सामने रखकर अपनी प्रासंगिकता बनाए रखने में विश्वास करती है। किसी भी अन्य देश की तरह, जिसके सामने बड़ी विकास चुनौतियाँ हैं, सीमा संबंधी मुद्दों पर न्यूनतम दृष्टिकोण के साथ रोक लगाने की आवश्यकता है। यहां समस्या यह है कि सुरक्षा प्रतिष्ठान हमेशा जम्मू–कश्मीर में अभियान चलाने के पक्ष में तर्क देंगे और पाकिस्तान–अफगानिस्तान सीमा पर तालिबान के खिलाफ ऊर्जावान तरीके से पीछे हटेंगे। सुरक्षा प्रतिष्ठान समाज को कट्टरपंथी बनाने और इस्लाम की वैचारिक सड़क पर कब्जा करने के अभियान से होने वाले नुकसान की मात्रा को स्वीकार करने को तैयार नहीं है।

राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग के तत्वाधान में परीक्षा पर्व पर कार्यक्रम संपन्न

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग के तत्वाधान में परीक्षा पर्व 6.0 के अंतर्गत परीक्षा पे चर्चा–2024 कार्यक्रम का आयोजन जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, जौनपुर के सभागार कक्ष में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉक्टर गोरखनाथ पटेल के द्वारा दीप प्रज्वलित करके किया गया, जिसमें विकासखंड करंजाकला, धर्मापुर, नगरक्षेत्र, मड़ियाहूँ, सिकरारा, सिरकोनी एवं मुफ्तीगंज के 100 विद्यालयों के प्रधानाध्यापक एवं उन विद्यालयों से एक–एक का अभिभावकों ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम में आगामी परीक्षा में बच्चों को परीक्षा के दवाब मुक्त कैसे किया जाये। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉक्टर गोरखनाथ पटेल ने समस्त अध्यापकों एवं अभिभावकों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के द्वारा चलाई जा रही मुहिम परीक्षा पे चर्चा 2024 में हम सभी को एकजुट होकर बच्चों को परीक्षा के दौरान आने वाली समस्याओं पर गौर करते हुए प्राथमिकता के आधार पर निदान करना चाहिए, जिससे बच्चों को तनाव मुक्त पर्यावरण मिले। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉक्टर गोरखनाथ पटेल ने बच्चों को परीक्षा के समय स्वास्थ्य पर भी विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है और बच्चे भरपूर नींद ले क्यूकि नींद की कमी से बच्चे प्रायः अवसाद ग्रस्त हो जाते है। कार्यक्रम के समापन मे जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ गोरखनाथ पटेल ने सभी अध्यापकों एवं अभिभावकों को धन्यवाद ज्ञपित किया। कार्यक्रम के सफल संचालन मे जिला समन्यवक प्रशिक्षण विशाल कुमार एवं एस0आर0जी0 डॉ अखिलेश सिंह, डॉ कमलेश यादव व अजय कुमार मौर्य के साथ–साथ एआरपी राजू ने महत्वपूर्ण योगदान दिया।

17.60 लाख रुपये में नीलाम हुई 20 टन प्रतिबंधित पालिथीन

गोरखपुर, संवाददाता। नगर निगम की ओर से प्रतिबंधित पॉलिथीन के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। पिछले पांच महीने से अभियान चला कर 20 टन प्रतिबंधित पॉलिथीन जब्त की गई थी। नियमानुसार सोमवार को पॉलिथीन की नीलामी की प्रक्रिया पूरी कर सीतापुर स्टोर से उसकी निकासी कराई गई। क्रश करने के लिए इसे 17.60 लाख रुपये में नीलाम किया गया। करीब 60 बोरा प्रतिबंधित पॉलिथीन क्रश करने के लिए गीडा स्थिति फैक्ट्री में वीडियोग्राफी के बीच भेजी गई। उप सभापति धर्मदेव चौहान, पार्षद जिलाउल, पिंटू गौड, मुख्य नगर लेखा परीक्षक, जोनल अधिकारी, अपर नगर आयुक्त निरंकार सिंह की मौजूदगी में नीलाम किया गया। अपर नर आयुक्त निरंकार सिंह ने बताया कि पारदर्शिता के लिए पूरी प्रक्रिया वीडियो कैमरे की निगरानी में हुई।

मारपीट में छह घायल, आठ पर केस दर्ज हुआ

कुशीनगर, संवाददाता। जटहां बाजार थाना क्षेत्र के माधी कोठिलवा गांव के मुर्गहवा टोला में गोबर का कंडा बनाने और कूड़ा–करकट रखने को लेकर शनिवार को दो पक्षों में जमकर मारपीट हो गई। इसमें छह लोग घायल हो गए। पुलिस ने दोनों पक्षों की तहरीर पर मारपीट, पथराव, आर्थिक नुकसान सहित अन्य धाराओं में केस दर्ज कर लिया है। माधी कोठिलवां गांव के मुर्गहवा टोला निवासी संगीता देवी ने शनिवार को अपने घर के पास ही गोबर का कंडा बनाकर रखी थीं। उनके पट्टीदार ध्रुप चौहान से उस जमीन पर कांडा, कूड़ा करकट रखने को लेकर विवाद हो गया। मारपीट में संगीता उसकी ननद फुला देवी, बेटी अनुष्का व ससुर राधाकिशुन घायल हो गए। दूसरे पक्ष से ध्रुप, रेशमी और रेणु चोटिल हो गए। गंभीर रूप से घायल राधा का इलाज जिला अस्पताल में चल रहा है। संगीता देवी की तहरीर पर पुलिस ने ध्रुप, अरविंद, प्रद्युम्न और गेंना के खिलाफ घर में घुसकर मारपीट, पथराव, नुकसान समेत कई धाराओं में केस दर्ज कर लिया है।

जिलाधिकारी ने जिला अस्पताल का किया आकस्मिक निरीक्षण

विभिन्न विभागों एवं वार्डो का निरीक्षण किया दिया आवश्यक दिशा निर्देश

जौनपुर। जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार माँदड़ द्वारा जिला चिकित्सालय का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान चिकित्सालय के विभिन्न विभागों एवं वार्डो का निरीक्षण किया गया।

चिकित्सालय में हास्पिटल मैनेजर के रिक्त पदों पर भर्ती हेतु मिशन निदेशक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन को पत्राचार करने हेतु निर्देशित किया गया। उन्होंने चिकित्सालय के इमरजेन्सी गेट पर स्थापित आयुष्मान भारत काउन्टर का निरीक्षण किया गया और मौके पर आयुष्मान मित्र मौजूद थे, उन्होंने कार्ड के बारे में जानकारी प्राप्त किया। इमरजेन्सी ओपीडी के हाल में लगे पोस्टर को बदलने हेतु निर्देशित किया गया और हाल में बैठे मरीजों से चिकित्सालय में दी जा रही सुविधा के बारे में पूछा गया। चिकित्सालय के इमरजेन्सी ओपीडी में डा0 अमरदीप कुमार चिकित्साधिकारी, आशुतोष पाठक फार्मासिस्ट एवं स्टाफ नर्स, वार्डव्वाय ड्यूटी पर उपस्थित मिले। इमरजेन्सी ओपीडी में भर्ती मरीज एवं रिफर मरीज तथा उपलब्ध औषधि के बारे मे जानकारी लिया। एक्सरे यूनिट में डा0 ए0के0 पाण्डेय रेडियोलाजिस्ट से मरीजों को बारे मे जानकारी प्राप्त की। मरीज को कितने देर में रिपोर्ट उपलब्ध होता है उसकी जानकारी अनिल कुमार त्रिपाठी एक्सरे टेक्नीशियन द्वारा दिया गया। टेक्नीशियन द्वारा बताया गया कि अपराह्न 01.15 बजे तक लगभग 70 मरीजो का एक्सरे किया जा चुका था। रजिस्ट्रेशन काउन्टर पर जुल्फेकार अहमद से आंनलाइन रजिस्ट्रेशन एवं आफ लाइन रजिस्ट्रेशन के बारे में जानकारी लिया गया।

कक्ष संख्या–8 पुरूष औषधि वितरण कक्ष में कौशल त्रिपाठी से औषधि के बारे में जानकारी लिया

गया, कौशल त्रिपाठी से ऑख की दवा एवं एजथ्रोमाइसिन के स्टाक को देखा एवं मुख्य चिकित्सा अधीक्षक को निर्देशित किया गया कि औषधि वितरण कक्ष में ए0सी0 लगवाया जाय। भूतल ओपीडी में कक्ष संख्या 10 में डा0 श्री प्रकाश अग्रवाल आर्थो सर्जन से आपरेशन एवं प्लास्टर के बारे में जानकारी लिया गया। भूतल ओपीडी में कक्ष संख्या 11, 13, 16 में उपस्थित चिकित्सक से मरीजों के बारे में जानकारी प्राप्त किया गया एवं मुख्य चिकित्सा अधीक्षक को निर्देशित किया गया कि ओपीडी में टाइल्स, फर्नीचर तथा और बेहतर बनाया जाए। इमरजेन्सी वार्ड में भर्ती मरीजों से दवा, कर्मचारी द्वारा सही ढ़ग से बात–चीत करने की जानकारी लिया गया, इमरेजन्सी वार्ड में भर्ती बेड–24 पर भर्ती मरीज अमरजीत जिसका एक्सीडेन्ट हुआ है को सरकारी आवास, ई–रिक्सा एवं अन्य सरकारी सुविधा उपलब्ध कराने हेतु आश्वासन दिया गया। प्रथम तल वार्ड सर्जिकल वार्ड के बेड–1 पर भर्ती मरीज द्वारा अवगत कराया गया कि बाथरूम में कमोड लगाया जाय, जिसपर जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्सा अधीक्षक को वार्ड के वाथरूम में कमोड लगवाने का निर्देश दिया एवं समस्त वार्डो में ए0सी0 की व्यवस्था किया जाय। द्वितीय तल पर स्थापित 27 बेड का अतिरिक्त वार्ड का निरीक्षण किया गया एवं बगल स्थापित डायलिसिस यूनिट के बारे में जानकारी प्राप्त किया गया। प्रथम तल पर पैथोलाजी विभाग में आनन्द कुमार से उपलब्ध जॉच के बारे मे जानकारी लिया गया एवं स्वयं का जॉच करने हेतु ब्लड सैम्पल दिया गया। जिलाधिकारी ने समस्त स्वास्थ्य कमियों को निर्देशित किया कि समय से अस्पताल में उपस्थित होकर मरीजो का बेहतर इलाज किया जाए। अस्पताल में साफ–सफाई का विशेष ध्यान दिया जाए, कही पर गंदगी न रहे, समय से अस्पतालों में लगे बेड़शीट बदले जाए।

कड़ी सुरक्षा व्यवस्था में 116 परीक्षा केंद्रों पर सम्पन्न होगी बोर्ड परीक्षा

बने डरे बोर्ड परीक्षा में हो शामिल परीक्षार्थी – डीआईओएस

(डॉ अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। कड़ी सुरक्षा व्यवस्था व सीसीटीवी कैमरे की निगरानी में गुरुवार से नौ मार्च तक इंटर व हाई स्कूल बोर्ड परीक्षा 116 परीक्षा केंद्रो पर सम्पन्न होगी।इस परीक्षा में कुल 82076 परीक्षार्थी शामिल हो रहे हैं, जिसमें हाई स्कूल परीक्षा में 43133 व इंटर परीक्षा में 39945 परीक्षार्थी शामिल हो रहे हैं। यह परीक्षा दो पालियों में सम्पन्न होगी। पहली पाली में परीक्षा सुबह साढ़े आठ बजे से पौने बारह बजे तक तथा दूसरी पाली में दोपहर दो बजे से शाम साढ़े पांच बजे तक सम्पन्न होगी।इस संबंध में बोर्ड परीक्षा प्रभारी प्रदीप कुमार ने बताया कि परीक्षा को नकल विहीन व नकल माफिया पर अंकुश लगाने के लिए सभी तहसीलों में तैनात एसडीएम जोनल मजिस्ट्रेट की तैनाती की गई है।जबकि सभी परीक्षा केंद्रों पर पैनी नजर रखने के लिये स्टैटिक मजिस्ट्रेट की तैनाती की गई है।उन्होंने बताया कि सभी परीक्षा केंद्रों पर पर्याप्त संख्या में परीक्षकों,कक्ष निरीक्षकों, सहायक केंद्र व्यवस्थापक व केन्द्र व्यवस्थापको की तैनाती की गई है।वही परीक्षा में पारदर्शिता लाने के लिए सभी परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं।जिले में परीक्षा पर पूरी नियंत्रण रखने के लिये राजकीय इंटर कालेज मे नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है।जिसका प्रभारी चन्द्र शेखर पटेल को बनाया गया है।वही जहां एक ओर जिला विद्यालय निरीक्षक राजेश कुमार राय ने सभी परीक्षार्थियों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुये कहा कि आप सभी बिना डरे बोर्ड परीक्षा मे शामिल हो।आप जरुर अच्छे अंकों से उत्तीर्ण होंगे।वही नकल माफिया को चेतावनी भरे शब्दों में कहा कि जो बोर्ड परीक्षा को धूमिल करने की कोशिश करेंगे उसके साथ सख्ती से कार्रवाई होगी।

खंड शिक्षा अधिकारियों का तबादला

प्रयागराज, संवाददाता। सूबे में खंड शिक्षा अधिकारियों की तैनाती में बदलाव किया गया है। बेसिक शिक्षा निदेशक, उप्र, प्रयागराज के कार्यालय से जारी आदेश में सोमवार को अलग–अलग जिलों में तैनात 194 खंड शिक्षा अधिकारियों का तबादला कर किया गया है। यूपी बोर्ड की परीक्षाओं से ठीक पहले इतनी बड़ी संख्या में अधिकारियों की तैनाती बदली गई है। ये सभी अधिकारी एक जगह तीन साल का कार्यकाल पूरा कर चुके थे। इस वजह से यह कार्यवाही की गई है। अपर बेसिक शिक्षा निदेशक संजय यादव ने संबंधित जिलों के जिला बेसिक शिक्षा अधिकारियों को निर्देशित किया है कि स्थानांतरित किए गए खंड शिक्षा अधिकारियों को बिना देर किए कार्यभार मुक्त कर दिया जाए, ताकि वे नई जगह कार्यभार ग्रहण कर सकें।

निर्देश दिया गया है कि सभी खंड शिक्षा अधिकारी बिना किसी देरी के नवीन तैनाती जनपद में कार्यभार ग्रहण कर लें। इस दौरान किसी का भी अवकाश के लिए आवेदन स्वीकार नहीं किया जाएगा। हालांकि प्रयागराज जनपद से केवल एक खंड शिक्षा अधिकारी का तबादला किया गया है, जबकि जनपद में दो नए खंड शिक्षा अधिकारियों की तैनाती की गई है।

फाइलेरिया ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन कैम्प का उद्घाटन कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय द्वारा किया गया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार एवं उत्तर प्रदेश सरकार के राष्ट्रव्यापी फाइलेरिया मास ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन अभियान के अन्तर्गत आज कुलपति लखनऊ विश्वविद्यालय तथा मुख्य चिकित्सा अधिकारी, लखनऊ के संयुक्त तत्वधान मे आरोग्य भवन मे फाइलेरिया ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन कैम्प लगवाया गया। इस कैम्प के अन्तर्गत तीन बूथ लगाये गये–एक आरोग्य भवन, दुसरा कैशियर कार्यालय के सामने तथा तीसरा द्वितीय परिसर में। कैम्प का उद्घाटन कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय द्वारा किया गया। कैम्प का आयोजन अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रोफेसर संगीता साहू के नेतृत्व में अरोज्ञ्य भवन इंचार्ज डा कुसुम यादव द्वारा किया गया। कैम्प में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय से डा सोमनाथ, राज्य प्रोग्राम मैनेजर ध्रुव सिंह, विश्व स्वास्थ्य संगठन से डा नित्यानंद ठाकुर,जिला मलेरिया अधिकारी डा रितु श्रीवास्तव, सहायक प्रोग्राम मैनेजर विकास द्विवेदी सहित विश्वविद्यालय के शिक्षक एवं छात्र–छात्राओं ने भाग लिया। द्वितीय परिसर मे कैम्प का उद्घाटन निदेशक द्वितीय परिसर डॉ आर.के. सिंह द्वारा किया तथा डॉ अभिषेक कुमार तिवारी,अतिरिक्त छात्र कल्याण अधिष्ठाता के निर्देशन में दवा वितरण किया गया। फाइलेरिया से प्रभावित उच्च दबाव वाले 10 राज्यों मे से उत्तर प्रदेश भी एक है। फाइलेरिया सूक्ष्म, तंतु जैसे कृमियों के कारण होने वाला एक परजीवी संक्रमण है। यह संक्रमित मच्छरों के काटने से फैलता है और यह दुनिया भर में उष्णकटिबंधीय एवं उपोष्ण कटिबंधीय क्षेत्रों में लाखों लोगों को प्रभावित करता है। फाइलेरिया संक्रमण से अंगों में लिम्फोएडेमा (ऊतकों में सूजन) या एलिफेंटियासिस और हाइड्रोसील (अंडकोश की सूजन) हो जाता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन फाइलेरिया के वैश्विक उन्मूलन में तेजी लाने के लिये तीन औषधीय उपचारों की सिफारिश करता है। उपचार, जिसे आईडीए (प्व।) के रूप में जाना जाता है, में आइवरमेक्टिन, डायथाइल कार्बामाजिन साइट्रेट और एल्बेंडाजोल का संयोजन शामिल है। ये दवाएँ लगातार दो वर्ष तक दी जाएंगी। परिपक्व कृमि का जीवनकाल चार वर्ष से अधिक नहीं होता है, इस प्रकार यह व्यक्ति को नुकसान पहुँचाए बिना स्वाभाविक रूप से नष्ट हो जाएगा। भारत का लक्ष्य वैश्विक लक्ष्य से तीन वर्ष पहले यानी वर्ष 2027 तक फाइलेरिया को समाप्त करना है। आज संकाय में स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय भारत सरकार द्वारा लिम्फैटिक फाइलेरियासिस (एलएफ) को खत्म करने के लिए राष्ट्रव्यापी सर्व दवा सेवन या मास ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (एमडीए) चलाए जा रहे अभियान के तहत के छात्रों के बीच डॉ आर.के. सिंह, निदेशक, द्वितीय परिसर और डॉ अभिषेक कुमार तिवारी,अतिरिक्त छात्र कल्याण अधिष्ठाता के निर्देशन में दवा वितरण किया गया।

घूस लेते रंगे हाथ पकड़े गए लेखपाल को भगा ले गए साथी

मिर्जापुर, संवाददाता। मिर्जापुर जिले के चुनार तहसील के अंदर खसरा बनाने के नाम पर मंगलवार की दोपहर दो हजार मांगने वाले लेखपाल को एंटी करप्शन टीम ने पकड़ा। इस दौरान वहां मौजूद लेखपाल के अन्य साथियों ने एंटी करप्शन टीम पर हमला कर लेखपाल को बचाते हुए लेकर भाग निकले। एंटी करप्शन टीम ने घूस के रूप में दिए गए रुपये को बरामद कर लिया है। एंटी करप्शन टीम चुनार कोतवाली में लेखपाल पर भ्रष्टाचार और मारपीट करने का मुकदमा दर्ज करने की कार्रवाई में जुटी है।

यह है मामला

अदलहाट थाना क्षेत्र के केशवपुर माफी गांव निवासी रामलाल ने खसरा बनवाने के लिए चुनार तहसील में आवेदन किया था। रामलाल का आरोप है की खसरा बनाने के नाम पर लेखपाल उससे दो हजार रुपये मांग रहा था। इसकी शिकायत उसने एंटी करप्शन टीम से की। एंटी करप्शन टीम ने जांच पड़ताल करने के बाद पीड़ित रामलाल को केमिकल लगे रुपये दिए। रामलाल चुनार तहसील में पहुंचकर लेखपाल को घूस के रूप में केमिकल लगे रुपये दिए। इसके बाद लेखपाल पैसे को अपने जेब में रखा ही था कि एंटी करप्शन टीम ने उसे पकड़ लिया। टीम लेखपाल को पकड़ कर ले जा रही थी, तभी लेखपाल के साथी ने एंटी करप्शन टीम पर हमला कर दिया। इसके बाद हाथापाई होने लगी। एंटी करप्शन टीम ने केमिकल लगे रुपये तो लेखपाल के जेब से बरामद कर लिया, पर लेखपाल को नहीं पकड़ सकी। उसके साथी लेखपाल को लेकर भाग गए। मारपीट में एंटी करप्शन के उप निरीक्षक अभिषेक को चोट भी लगी, उनका चश्मा टूट गया। एंटी करप्शन विभाग के प्रभारी विनय कुमार ने बताया कि खसरा बनाने के नाम पर दो हजार रुपये घूस लेने वाले लेखपाल सुजीत मौर्य को पकड़ा गया। उसके साथियों ने हमला कर मारपीट कर लेखपाल को भगा ले गए। रुपयों को बरामद किया गया है। लेखपाल पर भ्रष्टाचार करने के साथ ही मारपीट का भी मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

पिंक बूथ से शोहदों पर नजर रखेगी पुलिस – पुलिस अधीक्षक केशव चंद गोस्वामी

गायत्री प्रज्ञा पीठ के प्रमुख ट्रस्टी अतुल कपूर के निर्देशन में कार्यकर्ताओं ने संपन्न कराया पूजन कार्यक्रम

हरदोई (अंबरीष कुमार सक्सेना)

महिलाओं और कॉलेज की छात्राओं के साथ छेड़खानी की घटनाओं को रोकने के लिए बस स्टैंड जूनियर हाई स्कूल के निकट महिला सहायता केंद्र (पिंक बूथ) की स्थापना की गई है। एसपी ने बूथ का फीता काटकर शुभारंभ किया। पिंक बूथ उद्घाटन का पूजन कार्यक्रम गायत्री परिवार के संजय सिंह ,प्रदीप राठौर, नीलम शर्मा ,साधना कपूर ने संपन्न कराया। केंद्र में हर समय महिला पुलिस की तैनाती रहेगी। बस स्टैंड पर कस्तूरबा कन्याआवासीय विद्यालय, जूनियर हाई स्कूल ,हमीद अली इंटर कॉलेज ,कन्या इंटर कॉलेज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र है। साथ ही मुख्य बाजार होने के कारण महिलाओं का यहां आना–जाना लगा रहता है। पुलिस अधीक्षक केशव चंद गोस्वामी ने बताया कि महिलाओं को सुरक्षा का अहसास कराने के लिए मिशन शक्ति के के तहत महिला सहायता केंद्र की स्थापना की गई। चार कुर्सियों वाले केंद्र में महिला सिपाहियों की ड्यूटी लगाई गई है, जहां पर मातृ शक्ति अपनी बात को

बेहिचक जाकर कह सकती हैं। कोतवाल धर्मदास सिद्धार्थ ने बताया कि बस स्टैंड पर महिलाओं का आवागमन ज्यादा अधिक है। बूथ पर महिला पुलिसकर्मियों को तैनात किया जा रहा है। यहां पर महिलाओं से जुड़ी शिकायतों का निपटारा किया जायेगा। महिलाओं की सुविधा के लिए यहां पर रेस्ट रूम, वॉशरूम, शिकायत कक्ष, किचन से लेकर प्राथमिक चिकित्सा की व्यवस्था रहेगी। इस मौके पर अतिरिक्त कोतवाल हाकिम सिंह, कस्बा इंचार्ज रजनीश त्रिपाठी ,नितिन तोमर, मोहित कुमार,पवन सिंह ,संदीप कुमार , अप निरीक्षाअरविंद यादव , उपनिरीक्षक मिराज, समेत कई पुलिसकर्मी मौजूद रहे। इस मौके पर नगर पालिका परिषद पिहानी के ईओ अमित कुमार सिंह अरुण अग्निहोत्री, अश्विनी बाजपेई ,सभासद पति पिंटू हलवाई ,सभासद प्रतिनिधी अरुण गुप्ता शालू द्विवेदी आदि लोग मौजूद रहे।

पुलिस ने चिता से उठाया युवक का शव

कुशीनगर, संवाददाता। थाना क्षेत्र के मुंडेरा बाबू गांव में युवक का उसके पुराने मकान में कुंडे से लटका शव मिला। परिजनों ने गांव वालों की मदद से फंदे से उतार कर दाह संस्कार के लिए शव को लेकर श्मशान घाट पहुंच गए। अंतिम संस्कार की तैयारी चल ही रही थी कि पुलिस पहुंच गई और चिता से शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। थाना क्षेत्र के गांव मुंडेरा बाबू निवासी 22 वर्षीय सुधीर कुमार सोमवार की सुबह अपने घर पर कुछ देर तक बैठे और चाय पीने के बाद गांव में पुराने मकान में चले गए। कुछ देर के के बाद भी वह नहीं लौटे तो परिजन ढूंढते हुए पुराने मकान पर गए। वहां छत के कुंडी से लटके सुधीर के युवक के शव को देखकर शोर मचाने लगे। मौके पर पहुंचे गांव वालों ने शव को नीचे उतारा और आनन–फानन अंतिम संस्कार के लिए गांव के पास मझना श्मशान घाट पर लेकर चले गए। इसकी जानकारी किसी ने पुलिस को दे दी। सूचना मिलते ही अहिरौली बाजार के एसओ मनोज कुमार वर्मा, दरोगा उमेश यादव, सिपाही चंदन प्रजापति, धर्मेंद्र यादव युवक के घर पहुंच गए। शव लेकर घर वाले चले गए हैं। इसके बाद पुलिस श्मशान घाट पर पहुंची। पुलिस को देख वहां मौजूद लोगों में अफरातफरी मच गई। पुलिस ने चिता पर रखे शव को कब्जे में ले लिया। पिता रमेश प्रसाद ने पुलिस को बताया कि सुधीर नशे की गोली खाता था। उसे कई बार इसके लिए डांटा गया था।

भारत विकास परिषद, का प्रांतीय चुनाव संपन्न

कोई छूटे ना कोई रूठे ना
सबका साथ सबका सम्मान
ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। सनातनी हिंदू परंपरा को आगे बढ़ाते हुए, राष्ट्रवाद की भावना को प्रबलता प्रदान करने के उद्देश्य से, भारत विकास परिषद, एन.सी.आर–2अवध प्रांत की प्रगति शाखा ने मंजू सिंह के नेतृत्व में कार्यक्रम का आरंभ मंच्चापूर्ति, दीप प्रज्वलन तथा वंदे मातरम के गायन के साथ हुआ. मंजू सिंह ने सभी को परिषद का परिचय तथा प्रगति शाखा सत्र 2023–24कार्यक्रमों की संक्षिप्त जानकारी दी. तत्पश्चात प्रांत के द्वारा नियुक्त चुनाव पर्यवेक्षक के रूप मे श्री शशिकांत सक्सेना जी ने, संवैधानिक तथा निष्पक्ष तरह से चुनाव का कार्यक्रम संपन्न कराया. तथा निर्वाचित दायित्वधारियो को उनके दायित्व का शपथ ग्रहण कराया.

प्रगति शाखा में–

श्री मुकेश मल्होत्रा जी (अध्यक्ष), श्री आलोक कुमार सक्सेना (सचिव) श्री प्रदीप कुमार श्रीवास्तव (कोषाध्यक्ष) दायित्व के लिए निर्वाचित हुए तथा सभी ने अपने दायित्व की शपथ ली. कार्यक्रम को चुनाव के साथ मनोरंजक बनाने के लिए पिकनिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया था. प्रगति शाखा का सूत्र वाक्य

कोई छूटे ना कोई रूठे ना
सबका साथ सबका सम्मान
इसको आत्मसात करते हुए

अपने सभी अतिथियों के द्वारा मां भारती तथा स्वामी विवेकानंद जी के चित्रों पर पुष्पांजलि कराई तथा अतिथियों को माला पहनकर सम्मानित किया. प्रगति शाखा के बिठूर जाने वाले सभी साथी तथा अतिथि बस के द्वारा अपने गंतव्य की ओर रवाना हुए. मंगलम मैरिज पार्टी लॉन में चुनाव की प्रक्रिया संपन्न हुई, सभी ने दोपहर के भजन का आनंद लिया। उसके पश्चात आरंभ हुआ बिठूर दर्शन सभी ने माता गंगा के दर्शन किए, नौकविहार का आनंद लिया, ब्रह्मा जी के स्थान(खूंटी) का दर्शन किया अन्य धार्मिक स्थलों को देखते हुए साईं मंदिर, सुधांशु जी महाराज का आश्रम.. घूमते घूमाते, पूरी मस्ती करते.....

उन मीठी यादों को अपने मोबाइल में संजोये रात्रि लगभग 9:30 से 10 के बीच अपने घर पहुंच गए। सभी के उल्लास और खुशी को देखते हुए कार्यक्रम के सफल होने की आशा की जा सकती है. इस कार्यक्रम में लगभग 45 लोगों की सहभागिता थी।

300 वर्ष व उसके बाद के बने स्कूल काफी जर्जर अवस्था में तब्दील

तात्कालीन सीडीओ अनिता यादव ने भी विभाग को कर चुकी है पत्राचार

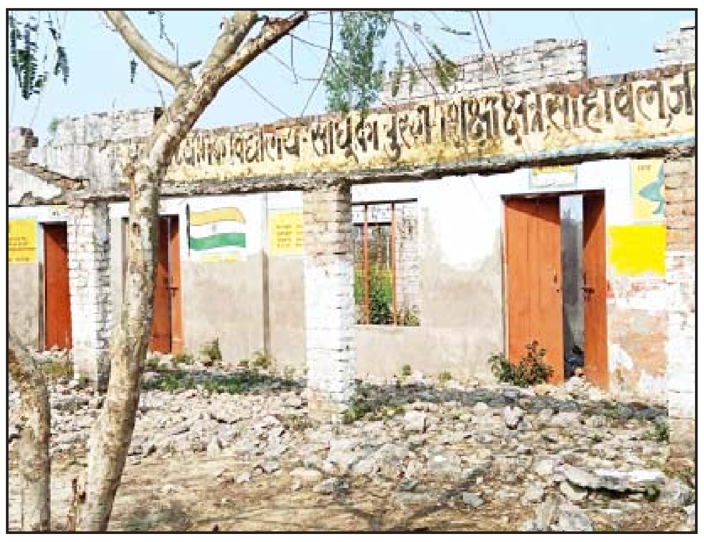

(डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। केंद्र व राज्य सरकार द्वारा शिक्षा को अधिक महत्व देते हुए एक से एक अति महत्वाकांक्षी योजनाएं चल रही है वहीं अयोध्या जिले में आज से नहीं बल्कि कई वर्षों से प्राथमिक विद्यालयों का रंग रोगन व उसकी मरम्मत नहीं हो सकी है।जिसके चलते वे विद्यालय काफी जर्जर अवस्था में तब्दील हो गई है। जिसके चलते वहां पर पढ़ने वाले नौनिहाल बच्चों के जीवन के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। बहुत अधिक होता है तो संबंधित विद्यालय के शिक्षक सर्दी गर्मी व वर्षा ऋतु में बच्चों को खुले आसमान के नीचे पढ़ाते हैं या फिर एक स्कूल में ही दो या इससे अधिक स्कूलों के बच्चों को समायोजित कर पढ़ाया जाता है। कुछ स्कूल तो 300 वर्षों से अधिक पुराने हो चुके हैं अब आप ही अंदाजा लगा सकते हैं उक्त स्कूल कितना जर्जर होगा।इस तरह के जर्जर अवस्था में स्कूलों को ध्वस्तीकरण करने के संबंध में सिर्फ विभाग के अधिकारियों द्वारा पत्राचार किया जाता है परन्तु उस पर जांच कर्ताओं द्वारा रिपोर्ट लगाकर मामला ठंडे बस्ते में डाल दिया जाता है। अगर देखा जाए तो जिले के सभी विकास खण्डों में कुल 213 विद्यालय जर्जर अवस्था में चिन्हित किये गये है। जिसमें सबसे अधिक रुदौली विकास खण्ड में कुल 33 विद्यालय जर्जर अवस्था में चिन्हित किए गए हैं और सबसे कम 04 विद्यालय मिल्कीपुर विकास खण्ड में चिन्हित किया गया है। यहां तक कि इस जिले एक एक विद्यालय जिसका निर्माण 1717 व वर्ष 1800 से निर्मित है जो अब काफी जर्जर अवस्था में हो गया है। इसके अलावा जितने विद्यालय विभाग द्वारा चिन्हित किए गए हैं वे काफी जर्जर अवस्था में दिखाई दे रहे हैं। परंतु इसके ध्वस्तीकरण की कार्रवाई नहीं की गई है। बताते चलें कि जिले में मसौधा में 26, सोहावल मे 12,मया मे 15, मिल्कीपुर में 04, तारुन मे 29, रुदौली में 33, हैरिंग्टनगंज में 19,मवई में 18, अमानीगंज में 15,नगर क्षेत्र में 08,पूरा में 18, बीकापुर विकास खण्ड मे 16 ऐसे विद्यालय संचालित है जो काफी जीर्ण–शीर्ण अवस्था में तब्दील हो चुके हैं। कुछ विद्यालय की दशा इतनी खराब हो चुकी है जो सिर्फ ध्वस्तीकरण करने योग्य है।इसको लेकरघ्‍ पिछले वर्ष अक्टूबर माह में आपरेशन काया कल्प योजना के तहत निवर्तमान सीडीओ अनिता यादव ने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी संतोष कुमार राय को पत्र लिखकर आख्या मांगी थी।परन्तु वह भी ठंडे बस्ते में डाल दिया गया। इस संबंध में जब जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी संतोष कुमार राय से बात करने की कोशिश की गई तो काल जाने के बावजूद उन्होंने फोन उठाना जरूरी नहीं समझा। फोन न उठाने की समस्या सिर्फ एक ही विभाग के अधिकारियों व कर्मियों की नहीं है बल्कि सभी विभागों में तैनात अधिकारियों व कर्मियों की है।

रसोइयों के खाते में शीघ्र जाएगा मानदेय

अयोध्या। जिले में तैनात 5160 रसोइयों को शीघ्र ही उनका तीन माह का मानदेय उनके खाते में सीधे चला जायेगा। इस बात की जानकारी देते हुए एमडीएम प्रभारी अंकुर सिंह ने बताया कि पिछले वर्ष के अक्टूबर, नवंबर व दिसंबर माह का मानदेय दो – दो हजार रुपये के हिसाब से छः हजार रुपये इन सभी रसोइयों के खाते में भेज दिया जाएगा।

कमिश्नर की अध्यक्षता में एक दिवसीय एफपीओ प्रशिक्षण सम्पन्न

(डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। मंगलवार को आत्मनिर्भर कृषक समन्वित विकास योजना अंतर्गत कमिश्नर गौरव दयाल की अध्यक्षता में एक दिवसीय कार्य क्षमता प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन हुआ।जिसमें मंडल के लगभग 60 उत्पादन संगठनों के निदेशकों द्वारा प्रतिभाग किया गया।एकदिवसीय प्रशिक्षण के सापेक्ष प्रतिभागियों को एफपीओ का गठन कर संबंधित एफपीओ अभिलेख एवं पंजीकरण के साथ–साथ एफपीओ के क्रियान्वयन के हेतु जेडीए अयोध्या मंडल डॉक्टर ए के मिश्रा द्वारा की गई। प्रशिक्षण में विभिन्न तरह की मार्केटिंग व निर्यात,कृषि संरक्षण निधि एवं बिजनेस प्लान तैयार करने हेतु डीएम नाबार्ड द्वारा जानकारी दी गई।इस मौके पर अपर निदेशक पशुपालन डॉक्टर ए के सिंह के द्वारा एफपीओ में दुग्ध उत्पादन एवं पशुपालन विषय पर विस्तार पूर्वक ढंग से जानकारी दी गई।बीज विकास निगम एवं प्रमापीकरण संस्थान के उपनिदेशक वीरेंद्र सिंह एवं एस के सिंह द्वारा बीज उत्पादन एवं बीज प्रमाणीकरण की जानकारी इस मौके पर प्रदान किया गया।अंत में जिला कृषि अधिकारी ओ पी मिश्रा द्वारा कृषि विविधीकरण पर प्रसंस्करण न्यू स्टार्टअप इंटीग्रेटेड फार्मिंग की जानकारी दी गई।जिसमें सहायक निदेशक शैलेंद्र प्रताप सिंह मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन ने भी विस्तृत जानकारी दिया।

डा0 अशोक कुमार पाण्डेय के आचार्यत्व में कई बटुको का यज्ञोपवीत संस्कार सम्पन्न

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार। अयोध्या में विप्र संजीवनी परिषद के संस्थापक–डा0 अशोक कुमार पाण्डेय के आचार्यत्व में कई बटुको का यज्ञोपवीत संस्कार सम्पन्न कराया गया । जिसमे उत्तर प्रदेश के कई जनपदों के बच्चो के साथ उनके अभिभावकों की भी उपस्थिति रही।मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम की नगरी अयोध्या में स्थापित विप्रसंजीवनी परिषद गुरुकुल में प्रतिवर्ष निःशुल्क अनेको बटुको का यज्ञोपवीत कराया जाता है। और उन्हे संस्कारवान बनाकर भारत की प्राचीन गरिमा को पुनरजीवित करने का प्रयास किया जा रहा है। डा0 अशोककुमारपाण्डेय ने अबतक अनेको बटुको का निशुल्क यज्ञोपवीत संस्कार संपन्न कराया है उनका कथन है यदि संस्कार जीवित हुआ तो संस्कृत भाषा अवश्य ही विस्तार को प्राप्त करेगी। डा0 अशोक कुमार पाण्डेय विप्र संजीवनी परिषद में निःशुल्क 70बच्चों को विद्याध्ययन कराते है।उनका कथन है कि सभी भाषाओं की तरह संस्कृत केवल भाषा ही नही है। इसके अध्ययन से हमारे अंदर देवत्व उत्पन्न हो जाता है क्योकि यह देवभाषा है।डा0 अशोक पाण्डेय के पढाए अब तक हजारों के ऊपर शिक्षक धर्मगुरु कथा वाचक संगीतकार कवि हो चुके है।इनके पढाए हुए अनेको जे0आर0एफ0 भी है। परिषद में आज सायंकाल के समय भजन संध्या का आयोजन भी किया गया जिसमे परिषद के ही छात्रो नें शानदार प्रस्तुति की।और

भण्डारा का भी आयोजन कियि गया जिसमें अनेको लोग भोजन प्रसाद भी लिए। यज्ञोपवीत के उपरांत आचार्य डा0 अशोककुमारपाण्डेय ने यज्ञोपवीत का महत्व बताते हुए कहा कि आज हमारा हिन्दू समाज संस्कार और संस्कृतभाषा के प्रति बहुत ही उत्सुक दिखाई पड़ रहा है।भारत के प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी और उ0प्र0के मुख्यमंत्री योगी जी ने फिर भारत देश एवं प्रदेश को पहले जैसा समृद्ध बना दिया। भारत की पहचान उसकें संस्कारों एवं भाषा से ही होती रही थी किन्तु कुछ हिन्दू विरोधी मानसिकता वाले लोग भारत देश को अन्य देशो की तरह असभ्यता एवं नग्न वातावरण की तरफ धकेल दिए थे।संस्कार से ही हम द्विज कहलाते है।जब तक हमारे देश में संस्कार था अनेको महापुरुष पैदा होते थे।किन्तु संस्कार विहीन भारत देश में अनेको राष्ट्र विरोधी संस्कृति विरोधी संस्कृत भाषा विरोधी लोग पैदा हो गए थे।किन्तु आज का वातावरण पहले से बिल्कुल बदल गया है।अब इस देश में पुनः संस्कृत भाषा भारतीय प्राचीन संस्कृति एवं मर्यादाएं पुनः जीवन्त हो रही है । आचार्य जी ने कहा कि संस्कार विहीन मनुष्य में और पशु में कोई अंतर नही होता है। यज्ञोपवीत संस्कार का संपादन कर रहे अनेको वैदिकों के वैदिक मन्त्रों के उच्चारण से पूरा अयोध्या का वातावरण गुंजायमान हो गया। वैदिक विद्वानो में पं0 आचार्य शुभम पाण्डेय, पं0सिद्धांत जी,पं0 विवेक जी पं0आदर्श जी पं0मयंक मणित्रिपाठी पं0 हर्षित पाण्डेय पं0सूरज द्विवेदी पं0मुमुक्षानंद पं0अजय दूबे एवं पं0रुपेश दूबे ,पं0शशांक जी अंशजी राजेश्वर जी एवं अन्यान्य आचार्य गण विराजमान थे।

अपराध शाखा लखनऊ व थाना मडियावं की संयुक्त पुलिस टीम द्वारा मड़ियावं थाना क्षेत्रान्तर्गत बन्द दुकानों का शटर/लाक गैसकटर से काटकर चोरी करने वाले गिरोह के 05 शातिर चोरों/नकबजन को गिरफ्तार करते हुए चोरी की घटनाओं का किया गया सफल अनावरण

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। पुलिस आयुक्त एस0बी0 शिरडकर द्वारा जनपद में हो रही चोरियों/अपराध एवं अपराधियो पर नियंत्रण हेतु चलाये जा रहे अभियान के तहत उपायुक्त अपराध एवं अपर पुलिस उपायुक्त उत्तरी अभिजित आर शंकर के पर्यवेक्षण में तथा सहायक पुलिस आयुक्त अलीगंज वृज नारायण सिंह के निर्देशन में प्रभारी निरीक्षक मड़ियांव शिवानन्द मिश्रा के नेतृत्व में थाना मड़ियांव की पुलिस तथा अपराध शाखा कमिश्नरेट लखनऊ की संयुक्त टीम द्वारा बन्द दुकानों का शटर/लाक गैस कटर से काटकर चोरी करने वाले 05 नफर अभियुक्तगण को गिरफ्तार कर चोरी की घटनाओं का अनवाण करते हुए विभिन्न कम्पनियों के 168 डिब्बे तार, एक अदद एंकर कम्पनी का गीजर, रोमा कम्पनी के स्विच 05 डिब्बे, एक अदद UPS MICRO TECH कम्पनी, एक अदद इनवर्टर अमेजकम्पनी, एक अदद बैटरी MTEK POWER कम्पनी, विभिन्न कम्पनियों के मोबिल आयल 92 डिब्बे, विभिन्न कम्पनियों के चौन स्पाकिट 25 पीस, विभिन्न कम्पनियों के शाकर 06 पीस, विभिन्न कम्पनियों के एसेम्बल क्लच 15 पीस, विभिन्न कम्पनियों क्लच प्लेट 19 पीस, एक अदद गैस कटर, एक अदद आक्सीजन सिलेण्डर, एक अदद पैट्रो मैक्स सिलेण्डर, एक अदद टूटा हुआ डेल कम्पनी का लैपटाप बरामद किया गया। घटना का संक्षिप्त विवरण बताते हुए एडीसीपी अभिजित आर शंकर ने बताया कि दिनांक 20.02.2024 को थाना मड़ियाँव लखनऊ की पुलिस टीम देखभाल क्षेत्र रोकथाम जुर्म जरायम तलाश वांछित चेकिंग संदिग्ध व्यक्तिध्वाहन में चन्द्राढाल सीतापुर रोड़ पर मौजूद थे। मौके पर अपराध शाखा कमिश्नरेट लखनऊ की टीम उपस्थित आयी। जहाँ हम पुलिस बल पीछले कुछ महिनों से जनपद लखनऊ इलेक्ट्रिनक की दुकानों का गैसकटर से शटर/लाक काट कर चोरी करने वाले अपराधियों के सम्बन्ध में आपस में चर्चा कर रहे थे तभी मुखबिर द्वारा सूचना मिली किथाना मड़ियांव क्षेत्र में सीतापुर रोड पर स्थित कृष्णा काम्पलैक्स में स्थित मेहरौत्रा इलेक्ट्रानिक्स व आईआईएम रोड पर स्थित मलिक इलेक्ट्रानिक्स व अन्य इलेक्ट्रानिक की दुकानों पर शटर/लाक काटकर जिन चोरो ने चोरी किया था वह लोग चोरी के तार व इलेक्ट्रानिक उपकरण को बेचने के लिए मडियांव टैम्पो स्टैण्ड के पास स्थित नगर निगम कूडा घर के पास एक एम्बूलेंस में चोरी के सामान के साथ कुछ चोर बैठे हुए। जो चोरी किये गये सामान को बेचने की फिराक में है तथा वह एम्बूलेंस वही है जिसका इस्तेमाल आज कल चोरियों में कर रहे है। यदि आप लोग जल्दी करें तो पकड़े जा सकते

है। इस सूचना पर हम पुलिस टीम मडियांव टैम्पो स्टैण्ड के पास स्थित नगर निगम कूड़ा घर के पास पहुँची। मुखविर द्वारा दिखाये गये व्यक्तियों को मय एम्बूलेंस के पकड़ लिया गया। पकड़े गये व्यक्तियों से बारी बारी नाम पता पूछते हुए जामातलाशी ली गयी तो पहले व्यक्ति ने अपना नाम सुशील कुमार उर्फ अनिल उर्फ बऊवा पुत्र स्व० जोधे प्रसाद नि० नरोसा थाना महिगवां जनपद लखनऊ, हालपता रूद्रनगर अस्ती रोड निकट नायरा पेट्रोल पम्प सुनील गुप्ता के हास्टल में किराये पर थाना बी0के0टी0 जनपद लखनऊ उम्र 22 वर्ष बताया। दूसरे व्यक्ति ने अपना नाम सैफ अली पुत्र कदीर नि० आजादनगर थाना माल जनपद लखनऊ, हालपता सेक्टर 06 गोपाल आटा चक्की के पास थाना जानकीपुरम लखनऊ उम्र 20 वर्ष बताया। तीसरे व्यक्ति ने अपना नाम सचिन पुत्र दृकपाल बहेलिया नि० मोतीपुरआना महमूदाबाद सीतापुर उम्र 19 वर्ष बताया। चौथे व्यक्ति ने अपना नाम मनीष कुमार पुत्र प्रकाश बहेलिया नि० ठाकुरपुर थाना महमूदाबाद जनपद सीतापुर उम्र 24 वर्ष बताया। पाँचवे व्यक्ति ने अपना नाम मो० साजिद उर्फ संजय पुत्र स्व० मो० सरफराज नि० श्रीनगर कालोनी बाल निकुन्ज इण्टर कालेज के पास थाना मड़ियांव जनपद लखनऊ उम्र 32 वर्ष बताया। जिनसे भागने का कारण पूछा गया गया तो बताए कि साहब हम लोगो ने जो बिजली की दुकानों तथा मोटर साइकिल की दुकान से जो सामान चोरी किया था आज उन्हीं चोरियों में से कुछ बिजली के तार बेचने के फिराक में जा रहे थे कि आप लोगो ने पकड़ लिया। जामातलाशी के दौरान पकड़े गये व्यक्तियों के पास से विभिन्न कम्पनियों के 168 डिब्बे तार, एक अदद एंकर कम्पनी का गीजर, रोमा कम्पनी के स्विच 05 डिब्बे, एक अदद UPS MICRO TECH कम्पनी, एक अदद इनवर्टर अमेज कम्पनी, एक अदद बैटरी MTEK POWER कम्पनी, विभिन्न कम्पनियों के मोबिल आयल 92 डिब्बे, विभिन्न कम्पनियों के चौन स्पाकिट 25 पीस, विभिन्न कम्पनियों के शाकर 06 पीस, विभिन्न कम्पनियों के एसेम्बल क्लच 15 पीस, विभिन्न कम्पनियों क्लच प्लेट 19 पीस, एक अदद गैस कटर, एक अदद आक्सीजन सिलेण्डर, एक अदद पैट्रो मैक्स सिलेण्डर, एक अदद टूटा हुआ डेल कम्पनी का लैपटाप व 03 अदद नाजायज तमंचा 12 बोर, 03 अदद जिन्दा कारतूस 12 बोर, एक अदद नाजायज तमंचा 315 बोर व 01 अदद जिन्दा कारतूस 315 बोर बरामद हुआ। बरामद माल के सम्बन्ध में सभी पकड़े गये व्यक्तियों से कड़ाई से पूछताछ की गयी तो सभी व्यक्तियों ने बताया कि हम लोगो के पास से जो एक गैस कटर, एक आक्सीजन सिलेण्डर, एक पैट्रो मैक्स सिलेण्डर मिला है इसका उपयोग हम लोग चोरी करने हेतु दुकान में लगे शटर या लाक को काटने में करते हैं तथा इसी एम्बूलेंस वाहन सं० UP32CZ8966 का प्रयोग पुलिस से बचने के लिए चोरी का सामान लाने ले जाने, चोरी का सामान बेचने तथा हम सब को लाने ले जाने में किया जाता है।

उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने दिखाई लोटस टीएमटी मेडिकल बस को हरी झंडी

– ग्रामीण इलाको में स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने के उद्देश्य से लोटस टीएमटी मेडिकल बस का हुआ शुभारंभ

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। ग्रामीण भारत में किसी भी समय और कहीं भी चिकित्सकीय सहायता पहुंचाने के उद्देश्य से लोटस टीएमटी मेडिकल बस का माननीय उपमुख्यमंत्री श्री ब्रजेश पाठक, उत्तर प्रदेश सरकार के द्वारा शुभारंभ किया गया। बीडीजी रमेश गोयल सेवा संस्थान ने भारत की इस सबसे बड़ी हॉस्पिटल ऑन व्हील्स सेवा को लॉन्च किया है। 32 फीट लंबी लोटस टीएमटी मेडिकल बस बीडीजी मेटल एंड पावर लिमिटेड द्वारा प्रायोजित है और इसे आनंदलोक अस्पताल, कोलकाता द्वारा चिकित्सा सहायता प्रदान की जाती है। यह विशेष रूप से दूरदराज, कठिन और पहुंच से वंचित क्षेत्रों में रहने वाले लोगों तक सार्वजनिक स्वास्थ्य देखभाल की पहुंच को सुविधाजनक बनाने की एक महत्वपूर्ण रणनीति है। इस रणनीति का उद्देश्य स्वास्थ्य सेवा को विशेष रूप से ग्रामीण, कमजोर और कम सेवा वाले क्षेत्रों में रहने वाली आबादी के दरवाजे तक ले जाना है। पिछले 18 महीनों में इस मेडिकल बस ने लगभग 23 हजार किलोमीटर की यात्रा करते हुए 400 शिविरों में लगभग 56,000 मरीजों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाई हैं। इस अवसर पर श्री ब्रजेश पाठक, उत्तर प्रदेश सरकार में माननीय उपमुख्यमंत्री और चिकित्सा शिक्षा, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री, धीरज ओझा जी पूर्व विधायक, अनुप सिंह समाजसेवी जरियारी, श्री सुमित भट्ट, बीडीजी समूह के निदेशक, श्री राजीव कुमार मिश्रा, संयोजक – बीडीजी आरजीएसएस, विजय सिंह एरिया मैनेजर बी.डी.जी.ग्रुप उत्तरप्रदेश और कई अन्य गणमान्य अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस अवसर पर माननीय उपमुख्यमंत्री श्री बृजेश पाठक जी ने लोटस टीएमटी मेडिकल बस की भूरी–भूरी प्रशंसा करते हुए कहा कि इससे ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को काफी लाभ मिलेगा उक्त मेडिकल बस के द्वारा नेत्र परीक्षण एवं चिकित्सा, दन्त परीक्षण एवं चिकित्सा , पैथोलॉजी प्रयोगशाला, सामान्य चिकित्सा ,इलेक्ट्रो कार्डियोग्राफी, एक्सरे सहित कई सुविधाएँ रोगियों के लिए वरदान साबित होगी। इस 32 फीट लंबी मेडिकल बस के अंदर महत्वपूर्ण स्वास्थ्य सेवाएँ हैं, जैसे आँखों की जाँच और उपचार, दाँतों की जाँच और उपचार और एक सामान्य क्लिनिक। इसमें परीक्षण, एक्स–रे और ईसीजी सुविधाओं के लिए एक प्रयोगशाला भी है। साथ ही, यह लोगों की मदद के लिए कई अन्य स्वास्थ्य सेवाएं भी प्रदान करता है। इस बस की सेवाएँ लगभग मुफ्त हैं, प्रति सेवा मात्र 10 रुपये का टोकन दान के रूप में लिया जाता है। इस राशि का उपयोग उन लोगों को मुफ्त चिकित्सा सहायता प्रदान करने में किया जाता है, जो इलाज का खर्च नहीं उठा सकते हैं।

आयुष्मान आरोग्य मंदिर अव्यवस्थाओं का शिकार'

सुलतानपुर/बल्दीराय। तहसील क्षेत्र के अंतर्गत आरोग्य आयुष्मान आरोग्य मंदिर मौजूदा सरकार की महत्वपूर्ण योजनाओं में से एक है जिसके तहत दर्जनों ग्रामीणों को ओपीडी टीकाकरण गर्भवती महिलाओं का देखरेख आसानी से हो पा रहा है जिसके लिए महिलाओं पुरुषों और बच्चों को ज्यादा दूर जाने की जरूरत नहीं पड़ती है और करीब में ही प्राथमिक दवाएं उपचार हो जाता है इस आयुष्मान आरोग्य मंदिर भवन का निर्माण अभी कुछ वर्षों पहले ही निर्माण हुआ है मौके पर यह पाया गया कि उपकेन्द्र भखरी वि.ख. बल्दीराय के ग्राम पंचायत ने जल निकासी के लिए पक्की नाली बनाई गई जल निकासी पानी का कोई सोख्ता टैंक य या किसी जल निकासी के स्थान पर नहीं ले जाया गया बल्कि इसी आयुष्मान आरोग्य मंदिर के भवन के नींव के पास छोड़ दिया गया जिससे भवन में सीलन स्थिति बनी हुई है और नालियां पूरी तरह से भरी हुई है जिससे आने वाले मरीजो और ग्राम वासियों को संक्रमण और भवन क्षत्रग्रस्त होने का भय बना हुआ है इसी प्रागण में लगे हुए इंडिया मार्क का हैंड पंप जो वर्षों से खराब है जो सिर्फ बिजली आने पर ही चल सकता है सी एच ओ आरती दुबे ने बताया कि इस समस्या को उच्च अधिकारियों से अवगत कराया गया है। यह अधिकारियो की घोर लापरवाही का सबब है। अब देखना यह होगा कि इस समस्या के निदान के लिए सक्षम अधिकारियों की नजर कब पड़ती है और कब इसका इस समस्या का हल जनमानस को मिल पाएगा।

भक्तिज्ञान और वैराग्य को करने का मार्ग है भागवत – आचार्य शिवम जी महाराज

सुजानगंज। मानव आज भौतिक जगत के झंझटो मे इस प्रकार से उलझ कर रह गया है कि उसे इससे निजात पाने का कोई मार्ग नहीं दिखाई दे रहा है। इस भव सागर से मुक्ति प्रदान करने का एक मेव साधन है श्रीमदभागवत। उक्त उद्‌गार प्यारेपुर, करौरा में चल रहे श्रीमदभागवत कथा के चतुर्थ दिवस आचार्य शिवम जी महाराज ने व्यक्त किया।भागवत पुराण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए भक्ति ज्ञान और वैराग्य की विस्तार से विवेचना करते हुए कहा कि इस कलिकाल मे भक्ति ज्ञान और वैराग्य को चौतन्य करने का एकमेव मार्ग है श्रीमद्भागवत पुराण है।इसके श्रवण मात्र से भक्ति ज्ञान और वैराग्य की प्राप्ति होती है। कथा के प्रसंग को आगे बढ़ाते हुए उन्होंने गोकर्ण की कथा पर विस्तार से प्रकाश डाला और श्री कृष्ण जन्मोत्सव पर विशेष चर्चा की और प्रभु श्रीकृष्ण का जन्म होते ही सभी श्रोताओं ने भगवान श्री कृष्ण के जयकारे का किया जय घोष पूरा पंडाल हुआ भक्ति मय. कथा के मुख्य यजमान देवेन्द्र कुमार सिंह पूर्व आईएएस, बीके सिंह सहित क्षेत्र के अन्य लोग उपस्थित रहे।

दो माह बाद आटोमैटिक ट्रैक पर होगा ड्राइविंग टेस्ट

प्रयागराज, संवाददाता। ड्राइविंग टेस्ट के नाम पर दलाली और मनमानी जल्द ही समाप्त होने जा रही है। जिसके लिए नैनी स्थित आईटीआई कार्यालय परिसर में ऑटोमैटिक ड्राइविंग ट्रैक पर सेंसर लाइट व सीसीटीवी कैमरे लगाने की तैयारी शुरू हो गई है। महज दो महीने के बाद यहां पर कुशल चालकों को ही ड्राइविंग लाइसेंस प्राप्त हो सकेगा। कार निर्माता संस्था मारूती को ड्राइविंग टेस्ट लेने की जिम्मेदारी मिली है। ऐसे में ड्राइविंग टेस्ट देते समय काफी सावधानी बरतने की आवश्यकता है। जरा सी चूक होने पर आवेदक टेस्ट में फेल हो जायेगा।अभी तक की व्यवस्था में मैनुअल तरीके से ड्राइविंग टेस्ट होता है, जहां बहुत से ऐसे आवेदक होते हैं, जिन्हें गाड़ी चलाने भी नहीं आता है। फिर भी उन्हें डीएल मिल जाता है। इस व्यवस्था पर रोक लगाने और सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए मारुति को यह जिम्मेदारी दी गई है। नैनी आईटीआई परिसर में करीब दो साल पहले ही ट्रैक बनकर तैयार हो चुका है। इसके अलावा एक कंट्रोल रूम भी बन चुका है। अब यहां पर सीसीटीवी कैमरे और सेंसर लाइट लगाने के काम जल्द शुरू होने वाला है। कुछ कैमरे और सेंसर लाइट नैनी स्थित आरटीओ कार्यालय में पहुंच भी चुकी हैं। इन सभी कार्यों में लगभग दो महीने का समय लगेगा। बता दें कि ड्राइविंग टेस्ट के लिए लर्निंग लाइसेंस प्राप्त करने की प्रक्रिया को पहली ही फेसलेस किया जा चुका है। जिसके चलते आवेदक घर बैठे ऑनलाइन अपना ड्राइविंग लर्निंग टेस्ट दे सकता है। वहीं ड्राइविंग टेस्ट सेंटर पर आवेदकों को महज 10 मिनट के अंदर परिणाम मिल जायेगा।

क्या है ऑटोमैटिक ड्राइविंग ट्रैक

ट्रैक के दो हिस्सों में डिवाइड है, जहां एक छोटा सा हिस्सा दोपहिया आवेदकों के लिए है, वहीं दूसरा बड़ा हिस्सा चार पहिया वाहन के लिए। टेस्टिंग के दौरान ट्रैफिक सिग्नल, रिवर्ड मोड आदि ट्रैक पड़ता है, जहां आवेदकों को अपनी ड्राइविंग कौशल का प्रदर्शन करने का मौका मिलता है। ड्राइविंग लाइसेंस उम्मीदवारों का बिना मानव हस्तक्षेप के वीडियो एनालिटिक्स टेक्नोलॉजी के माध्यम से उनके ड्राइविंग कौशल का परीक्षण लिया जाता है।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक **देश की उपासना**

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0 – 7007415808, 9628325542, 9415034002
RNI सन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/R/-1
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।